दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
खबरें सड़क से संसद तक

RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

वर्ष: 17 | अंक 180 | सीकर, रविवार 30 अगस्त 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

दूसरे दिन 32 नामांकन दाखिल
अब तक 33 प्रत्याशियों ने भरे पर्चे

निसं

नवलगढ़ (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव को लेकर शनिवार को नामांकन के दूसरे दिन राजनीतिक दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों में खासा उत्साह नजर आया। दूसरे दिन 32 नामांकन फार्म दाखिल किए गए। इसके साथ ही अब तक कुल 33 नामांकन फार्म दाखिल हो चुके हैं। प्रत्याशियों ने रिटर्निंग अधिकारी प्रांजल कंवर के समक्ष अपने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। शनिवार को वार्ड 2 से आरएलपी के रमेश जांगिड़, वार्ड 4 से निर्दलीय सुनील कुमार व पवन कुमार सैनी, वार्ड 5 से कांग्रेस की माया देवी सैनी, वार्ड 7 से निर्दलीय आमीन, वार्ड 8 से निर्दलीय अब्दुल अजीज व आसिफ, वार्ड 9 से कांग्रेस के अदनान खत्री, वार्ड 11 से निर्दलीय दीपक व अनिल कुमावत, वार्ड 13 से कांग्रेस के मुकेश कुमार, वार्ड 15 से निर्दलीय राजपाल, वार्ड 21 से कांग्रेस के महेंद्र कुमार सैनी, वार्ड 22 से निर्दलीय पिंटू कुमार व बृजेश कुमार, वार्ड 27 से निर्दलीय मोहम्मद शहजाद, वार्ड 28 से निर्दलीय सुमैया बानो व यासीन बानो तथा कांग्रेस से कुलसुम, वार्ड 29 से निर्दलीय फरीदा, वार्ड 30 से निर्दलीय जेबुनिशा व जायदा बानो, वार्ड 31 से निर्दलीय सलमा बानो, वार्ड 32 से निर्दलीय मोहम्मद आरिफ व सलीम, वार्ड 35 से निर्दलीय उर्मिला देवी, वार्ड 36 से निर्दलीय लक्ष्मीकांत, वार्ड 37 से निर्दलीय मुमताज बानो, वार्ड 38 से निर्दलीय अनिल सैनी, नसरुद्दीन व तारीफ, वार्ड 39 से आरएलपी के मोहम्मद खुर्शीद तथा वार्ड 45 से निर्दलीय आमिर खान ने नामांकन दाखिल किया।

सितंबर में 4 बड़े ग्रहों की बदलेगी चाल 8 राशियों के खुलेंगे किस्मत के द्वार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ज्योतिषीय दृष्टि से सितंबर का महीना बेहद खास और उथल-पुथल भरा रहने वाला है। इस माह चार प्रमुख बड़े ग्रह अपनी राशि बदलेंगे, जिसका सीधा असर सभी 12 राशियों के जीवन पर पड़ेगा। पंडित राजेश कुमार शर्मा के अनुसार माह की शुरुआत में शुक्र ग्रह का गोचर वृषभ राशि में होगा। इसके बाद बुध ग्रह इस महीने दो बार राशि परिवर्तन करते हुए 7 सितंबर को कन्या और 26 सितंबर को तुला राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, 17 सितंबर को सूर्य का गोचर कन्या राशि में होगा और मंगल अपनी नीच राशि कर्क में प्रवेश करेंगे। ग्रहों के इस महागोचर से जहां कुछ राशियों को करियर और आर्थिक क्षेत्र में शानदार सफलता मिलेगी, वहीं कुछ राशियों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

इन 8 राशियों के लिए बेहद शुभ रहेगा महीना

शर्मा के मुताबिक ग्रहों की शुभ स्थिति से 8 राशियों वृषभ, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, मकर, कुंभ और मीन को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। वृषभ और कुंभ राशि के जातको की मनोकामनाएं पूरी होने के मजबूत योग हैं। वहीं कर्क, सिंह और तुला: कड़ी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। शुक्र के प्रभाव से प्रेम व पारिवारिक जीवन में मधुरता आएगी, वहीं सूर्य.मंगल की स्थिति से करियर और कारोबार में बड़ी प्रगति देखने को मिलेगी।

इन 4 राशियों को बरतनी होगी विशेष सतर्कता

सितंबर के महीने में मेष, मिथुन, वृश्चिक और धनु राशि के जातकों को थोड़ा संभलकर रहने की सलाह दी गई है। इन राशियों के जातको को पैसों से जुड़ा कोई भी फैसला सोच-समझकर लेंने की सलाह दी जाती है, अन्यथा नुकसान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए सामान्य से अधिक मेहनत करनी होगी। सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें और अपनी दिनचर्या में सुधार लाएं।

सांखला पशुपालन के क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

निसं

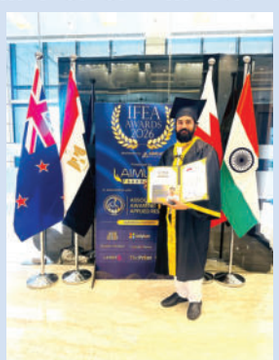

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। नई दिल्ली के वेलकम होटल में आयोजित ग्लोबल एक्सीलेंस समिट में वेबिक यूनिवर्सिटी घाना द्वारा भरत कुमार सांखला को पशुपालन के क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार ओम गौ सेवा केंद्र पिछले 10 सालों से बीमार गो माताओं और वन्य जीवों की सेवा कर रही हैं। भरत सांखला ने बताया कि यह सम्मान केवल भरत सांखला का नहीं है बल्कि यह सम्मान ओम गौ सेवा केंद्र की पूरी कार्यकारिणी के सदस्यों, सभी भामाशाहों और गौ माता को जाता है, जिनके सहयोग और आशीर्वाद से यह संभव हो पाया हैं।

नेपाल त्रासदी

नेपाल बाढ़ में मौत का आंकड़ा 682 हुआ...
287 भारतीयों समेत 3000 लापता
800 मीटर लंबा ग्लेशियर टूटने से तबाही आई

काठमांडू।

नेपाल-तिब्बत में 26 अगस्त को आई बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा 682 हो गया है। करीब 3,000 लोग अब भी लापता हैं। इनमें 287 भारतीय भी शामिल हैं। इस तबाही के तीन दिन बाद ग्लेशियर टूटने का वीडियो सामने आया है। तिब्बत में एक टूर गाइड ग्रुप ने ऊंचाई से इसे रिकॉर्ड किया था। वीडियो में बर्फ और चट्टानों से बना करीब 800 मीटर लंबा ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर घाटी में गिरता दिखाई दे रहा है। ग्लेशियर टूटने के बाद बड़े पैमाने पर मलबा और पानी नीचे की ओर बहा। इसके साथ भूस्खलन हुआ और अचानक आई बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में भारी तबाही मचाई। बाढ़ के बाद नेपाल और चीन में राहत-बचाव अभियान जारी है।

187 भारतीय अभी भी लापता

नेपाल में इस आपदा से 675 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तिब्बत में 7 लोगों की मौत की पुष्टी की गई है। करीब 3000 लोग लापता हैं। इनमें 187 भारतीय भी शामिल हैं। 400 भारतीय अभी तिब्बत में फंसे हुए हैं।

पंजाबी युवक नेपाल की बाढ़ में लापता

नेपाल बाढ़ में पंजाब तरनतारन जिले का युवक लापता हो गया। उसके साथ उसके दो रिश्तेदार भी लापता हैं, जो यूपी के सीतापुर जिले के रहने वाले हैं। गांव रत्तोके का रहने वाला शमशेर सिंह संधू नेपाल में एंड्रिट्ज कंपनी के त्रिशूल अपर पावर हाउस प्रोजेक्ट में क्रेन ऑपरेटर के तौर पर काम करता था। उसका साला भुपिंदर सिंह, जो क्रेन ऑपरेटर और साले का भतीजा रशपाल सिंह, जो ट्रक ऑपरेटर का काम करता था।

नेपाल की हाइड्रोपावर इंडस्ट्री पर बाढ़ का खतरा

नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने देश की हाइड्रोपावर इंडस्ट्री पर बड़ा असर डाला है। भोटेकोशी और त्रिशूली घाटियों में बाढ़ से 14 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट प्रभावित हुए हैं। इनमें 6 निर्माणाधीन प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के मुताबिक, बाढ़ के बाद 431 एमडब्ल्यू बिजली उत्पादन क्षमता बंद हो गई। यह देश की कुल उत्पादन क्षमता का 12% से ज्यादा है। निर्माणाधीन प्रोजेक्टों को भी जोड़ने पर प्रभावित क्षमता करीब दोगुनी हो जाती है।

बाढ़ ने प्रोजेक्ट की सुरक्षा पर सवाल उठाए

हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन, हिमस्खलन और ग्लेशियल झील फटने जैसी घटनाओं का खतरा रहता है। जलवायु परिवर्तन के साथ इन जोखिमों के बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। बाढ़ के बाद अब सवाल उठ रहा है कि नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट कहां बनाए जाएं और उन्हें ऐसे प्राकृतिक खतरों से बचाने के लिए किस तरह डिजाइन किया जाए। विशेषज्ञ छोटे प्रोजेक्टों की मजबूती और बड़े जलाशयों की जरूरत पर भी चर्चा कर रहे हैं।

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से 4 भारतीय रेस्क्यू

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रसुवा के एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से आज 4 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। सभी के जल्द काठमांडू पहुंचने की उम्मीद है।

पार्षद नामांकन के लिए उमड़ा दावेदारों का सैलाब
दो दिनों में 61 उम्मीदवारों ने दाखिल किए 83 नामांकन

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। नगरपालिका चुनावों को लेकर लाडनूं में चुनावी सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही हैं। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शनिवार को एसडीएम कार्यालय में पार्षद पद के दावेदारों और उनके समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। नगर पालिका के 45 वार्डों में होने वाले चुनाव को लेकर उम्मीदवारों में खासा उत्साह नजर आया और बड़ी संख्या में प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी पेश की। पहले चरण में 9 सितंबर को नगरपालिका के चुनाव होने हैं। चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही शहर के सभी वार्डों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न वार्डों से उम्मीदवार अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे। नामांकन के लिए कांग्रेस, भाजपा व निर्दलीय उम्मीदवारों ने निर्वाचन अधिकारी ममता लहुआ, सहायक निर्वाचन अधिकारी कुटेंद्र कंवर एवं मनीष सिंघाटिया के समक्ष पेश होकर कुल 61 उम्मीदवारों ने 83 नामांकन पत्र

दाखिल किए। बड़ी संख्या में उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने से चुनावी मुकाबला और अधिक रोचक हो गया है। अब सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन होने के चलते राजनीतिक हलकों और संभावित उम्मीदवारों की निगाहें अंतिम दिन होने वाले नामांकन पर टिकी हुई हैं।

मास्टरजी की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान व चिकित्सा शिविर 5 को

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। पूर्व शिक्षाविद एवं समाजसेवी स्व. जगदीश प्रसाद शर्मा मास्टरजी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 5 सितंबर 2026 शनिवार को राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रूपगढ़ में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान एवं नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन शिक्षा एवं सशक्तिकरण ग्रामीण संस्थान, जयपुर एवं समस्त ग्रामीणजन रूपगढ़ के तत्वावधान में किया जा रहा है। संस्थान के सचिव के.के. शर्मा ने बताया कि शिविर में स्वैच्छिक रक्तदान के साथ विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा। शिविर में फिजिशियन, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, महिला रोग विशेषज्ञ (गायनिक) एवं शिशु रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में उपचार एवं परामर्श के लिए आने वाले मरीजों को संस्थान की ओर से नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें संस्थान के सचिव, युवाओं एवं ग्रामीणजनों ने भाग लिया। इस दौरान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया गया तथा ग्रामीणों एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की गई।

देशी पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, हथियार सप्लायर भी पकड़ा

निसं

जयपुर (नवयत्न) । जयपुर ग्रामीण जिले की जोबनेर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए देशी पिस्टल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले एक अन्य युवक को भी गिरफ्तार किया है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि जोबनेर थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान नावां रोड पर एक युवक पुलिस वाहन को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ा। पूछताछ में उसने अपनी पहचान विनोद कुमार उर्फ शेरा 20 निवासी मूंडवाड़ा, थाना फुलेरा के रूप में बताई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में विनोद ने बताया कि पिस्टल उसे विकास कुमार 18 निवासी प्रेमपुरा थाना रेनवाल से मिली थी। इसके बाद पुलिस ने प्रेमपुरा में दबिश देकर विकास कुमार को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस दोनों से हथियार की खरीद-फरोख्त और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में एएसआई बाबूलाल, एएसआई रमेशचंद, हेड कांस्टेबल छीतरमल तथा कांस्टेबल मोटाराम, राजेन्द्र कुमार और रविन्द्र सिंह शामिल रहे।

गोविंददेवजी मंदिर में पांच सितंबर को नंदोत्सव के बाद हाथी-ऊंट और झांकियों के साथ निकलेगी शोभायात्रा

निसं

जय निवास बाग स्थित ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देव जी महाराज का 4 सितंबर शुक्रवार को कृष्ण जन्मोत्सव के बाद भाद्रपद कृष्ण नवमी शनिवार, 5 सितंबर को नंदोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

मंदिर प्रशासन के अनुसार श्रृंगार झांकी के समय नंदोत्सव का आयोजन होगा। इसके बाद शाम 4 बजे मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा रवाना होगी। गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार शोभायात्रा जलेब चौक, हवामहल बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार और बगरू वालों का रास्ता होते हुए मंदिर श्री राधा गोपीनाथ जी पहुंचेगी, जहां इसका विश्राम होगा।

हाथी, ऊंट और घोड़े होंगे आकर्षण-

इस शोभायात्रा में हाथी पचरंगा मय निशान, ऊंट मय लड्डा शहनाई वादन, दो ऊंट मय लवाजमा, दो घोड़े मय लवाजमा और जिया बैंड शामिल होंगे। गणेश जी महाराज, तिरुपति बालाजी, श्री अक्रूर जी और राधा-कृष्ण की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा श्री वार्ष्णेय समाज सेवा समिति, सिंधी पंचायतए जयपुर बंगाली, श्री राधा गोविंद देव जी चाकर, गौर गोविंद महिला मंडल और गोविंद परिकर कीर्तन मंडलियां संकीर्तन करती चलेंगी। गौ सेवा के संदेश के साथ पिंजरापोल गौशाला की झांकी भी शामिल होगी। इस शोभायात्रा में ठाकुर श्री गोपीनाथजी एवं श्री श्यामसुंदर, प्रेमावतार षट्भुज महाप्रभु एवं ठाकुर श्री राधा दामोदर, ठाकुर श्री विनोद लालजी एवं स्व. गोस्वामी प्रद्युम्न कुमार, देवजी ठाकुर, राधारमण एवं ठाकुर मदन मोहन तथा ठाकुर प्राकट्य कथा पूज्य रूप गोस्वामी की झांकियां और मुख्य रथ भी शामिल रहेंगे।

नवयत्न कोबरी पोस्ट

ई-चालान का फर्जी लिंक भेजकर साइबर अपराधियों ने उड़ाए 1.40 लाख रुपये

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी जयपुर में साइबर अपराधियों ने ट्रैफिक पुलिस का फर्जी ई-चालान भेज कर एक व्यक्ति के खाते से 1.40 लाख रुपये उड़ा लिए। ठगों ने पीड़ित का मोबाइल हैक करके बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल की और क्रेडिट कार्ड से पैसे निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर झोटवाड़ा थाना पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विजय नगर निवासी दीपक कुमार के मोबाइल संदेश पर ई-चालान के भुगतान के लिए एक लिंक आया था। चालान की सत्यता जांचने और भुगतान करने के उद्देश्य से दीपक ने जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया, उनके सामने क्रेडिट कार्ड से भुगतान का विकल्प आया। जानकारी दर्ज करते ही उनका मोबाइल हैक हो गया और कुछ ही क्षणों में उनके खाते से 1.40 लाख रुपये कटने का संदेश प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी शिप्रापथ थाना क्षेत्र में इसी तरह ई-चालान के नाम पर 4.67 लाख रुपये की ठगी हो चुकी है। ठग वाहन मालिकों को वाहन सूचना अद्यतन, लंबित चालान या पंजीकरण प्रमाण पत्र, चालक लाइसेंस सत्यापन के नाम पर आधिकारिक पोर्टल जैसा दिखने वाला फर्जी लिंक भेजते हैं। फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल में हानिकारक फाइल अपने आप डाउनलोड हो जाती है। इसके जरिए ठग कॉल अग्रेषण चालू कर देते हैं और गोपनीय बैंक डेटा या एकमुश्त पासवर्ड चुरा लेते हैं। किसी भी अनजान संदेश या वेब पते पर क्लिक न करें। आधिकारिक ई-चालान लिंक के अंत में केवल होता है, जबकि ठगी वाले लिंक में स्पेलिंग में मामूली बदलाव जैसे होता है। ई-चालान का भुगतान केवल परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या वैध ऐप के माध्यम से ही करें। किसी भी संदेश के जरिए प्राप्त अनुप्रयोग या एपीके फाइल को अपने उपकरण में इंस्टॉल न करें।

एरिया डोमिनेशन अभियान में पुलिस ने मारी 68 ठिकानों पर दबिश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव-2026 के मद्देनजर जयपुर पश्चिम कमिश्नरेट पुलिस ने चौमू वृत्त में एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान चलाकर 68 स्थानों पर दबिश दी। अभियान में 15 स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान अतिरिक्त डीसीपी राजेश गुप्ता के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त चौमूं कृष्ण राज जांगिड़ के नेतृत्व में सभी थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध शराब के दो प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि आरएनसी एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीमों ने 22 हिस्ट्रीशीटरों के ठिकानों पर पहुंचकर उनकी भौतिक जांच की। वहीं शांति भंग की आशंका सहित अन्य मामलों में 20 लोगों के खिलाफनिरोधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि चुनावों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष कराने के लिए वांछित अपराधियोंए अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों और असामाजिक तत्वों के खिलाफअभियान आगे भी जारी रहेगा।

प्रेम कीटाणु का दूसरा गीत कहो तो रिलीज रोमांटिक अंदाज में दिखे वीर-आफिया

निसं

जयपुर (नवयत्न)। फिल्म प्रेम कीटाणु का दूसरा गीत कहो तो रिलीज हो गया है। अरमान मलिक की आवाज में सजे इस रोमांटिक गीत में आधुनिक वाद्य यंत्रों के साथ सूफियाना कव्वाली का खूबसूरत मेल सुनने को मिलता है। गीत प्यार में पड़ने, किसी को चाहने, इंतजार और रिश्ते को आगे बढ़ाने की भावनाओं को बयां करता है। गीत ज़ी म्यूजिक कंपनी के यूट्यूब चैनल सहित सभी प्रमुख संगीत मंचों पर उपलब्ध है। गौरव वर्मा की अवनिका फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के गीत को वीर पहाड़िया और आफिया सैयद पर फिल्माया गया है। इसके बोल सचिन उर्मतोश ने लिखे हैं और संगीत अंकुर आर. पाठक ने दिया है। गीत के कव्वाली हिस्से को अल्तमश फरीदी ने आवाज दी है। अरमान मलिक ने कहा कि कहो तो पूरी तरह बॉलीवुड प्रेम गीत है और इसे गाना उनके लिए खुशी का अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि पुराने बॉलीवुड प्रेम गीतों की खूबसूरती के साथ कव्वाली का मेल इसे अलग पहचान देता है। अंकुर आर. पाठक के साथ यह उनका पहला काम है। फिल्म का पहला गीत अंडी बंडी युवा जोश और मस्ती से भरपूर था, जबकि कहो तो प्यार के शांत और गहरे पक्ष को सामने लाता है। फिल्म में कुल सात गीत हैं, जिन्हें सचेत टंडन, परंपरा टंडन, बी. प्राक, अरमान मलिक, पापोन, जुबिन नौटियाल, मधुर शर्मा, अल्तमश फरीदी, शशि सुमन और बृजेश शांडिल्य सहित कई कलाकारों ने आवाज दी है। रैपर लिटिल भाटिया और मेज़्म्यूज़िक भी फिल्म के संगीत का हिस्सा हैं। अपूर्व सिंह कार्की निर्देशित फिल्म का निर्माण गौरव वर्मा ने अवनिका फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म में वीर पहाड़िया, आफिया सैयद, अपारशक्ति खुराना, राकेश बेदी और निखिल विजय प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कहानी युवाओं की दोस्ती, पहला प्यार, एकतरफा प्यार और दिल टूटने के अनुभवों के इर्द-गिर्द घूमती है। प्रेम कीटाणु 2 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने दांता नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी ईओ को किया तलब

14 सितंबर को कोर्ट नंबर-2 जयपुर में होगी सुनवाई

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं करवाने के मामले में नगरपालिका दांता के अधिशाषी अधिकारी को नोटिस जारी कर तलब किया है। आयोग ने मामले की सुनवाई के लिए 14 सितंबर को प्रात: 11 बजे कोर्ट नंबर-2, जयपुर में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश कुमावत ने नगरपालिका दांता के अधिशाषी अधिकारी से आवश्यक एवं प्रमाणित सूचनाएं प्राप्त करने के लिए आरटीआई आवेदन प्रस्तुत किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि लोक सूचना अधिकारी/अधिशाषी अधिकारी द्वारा निर्धारित समय-सीमा में मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं करवाई गई। इसके बाद सुरेश कुमावत ने मामले में प्रथम अपील उपखंड अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की। वहां से भी निर्धारित अवधि में जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने राजस्थान राज्य सूचना आयोग में द्वितीय अपील की। मामले पर सुनवाई करते हुए राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने नगरपालिका दांता के अधिशाषी अधिकारी को नोटिस जारी कर 14 सितंबर को प्रात: 11 बजे कोर्ट नंबर-2, जयपुर में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। आयोग की इस कार्रवाई को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत सरकारी विभागों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब 14 सितंबर को होने वाली सुनवाई में मामले की आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित...

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। मांगीलाल बागड़ी राजकीय महाविद्यालय, नोखा में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं एनएसएस ओरियंटेशन कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. रामकिशन चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेल अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने मेजर ध्यानचंद के योगदान को याद करते हुए विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। खेल प्रभारी प्रेमाराम एवं एनएसएस प्रभारी जेठाराम पारीक के निर्देशन एवं देखरेख में विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न रोचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक खेल आयोजित करवाए गए। खेल प्रभारी प्रेमाराम ने प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए विजेताओं की जानकारी दी।

प्रतियोगताओं के ये रहे परिणाम

कैरम प्रतियोगिता (छात्रा वर्ग) में प्रथम स्थान प्रीति गहलोत, द्वितीय स्थान पूजा शर्मा, तृतीय स्थान: सोनाली। कैरम प्रतियोगिता (छात्र वर्ग) में प्रथम स्थान ध्रव बेद, द्वितीय स्थान अंकित करीर, तृतीय स्थान हरिकिशन नाई। नींबू-चम्मच रेस (छात्र वर्ग) में प्रथम स्थान मोहित, द्वितीय स्थान अजय दर्जी, तृतीय स्थान भगीरथ।

नींबू-चम्मच रेस (छात्रा वर्ग) प्रथम खुशबू राहड़, द्वितीय स्थान प्रीति गहलोत, तृतीय स्थान सोनिया। रस्साकशी (छात्र वर्ग) विजेता (प्रथम) महावीर टीम, उपविजेता (द्वितीय) महादेव टीम, उपविजेता (तृतीय) बजरंग बली। रस्साकशी (छात्रा वर्ग) विजेता (प्रथम) मीनाक्षी सुथार टीम, उपविजेता (द्वितीय), पुजा शर्मा टीम।. रस्सी कूद प्रथम स्थान पवित्र भादु, द्वितीय स्थान ध्रव बेद, तृतीय स्थान दशरथ सुथार। रस्सी कूद (छात्रा वर्ग) प्रथम स्थान अनिता कंवर, द्वितीय स्थान खुशबू राहड़, तृतीय स्थान सोनिया ने प्राप्त किया।

खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित, 100 मीटर दौड़ में सुरेंद्र गुर्जर ने हासिल किया प्रथम स्थान

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतडी उपखंड के मेहाड़ा गुजरवास में खेल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान बुजुर्ग दौड, रस्सा कस्सी व अन्य खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान मदन लाल गुर्जर थे, जबकि अध्यक्षता पूर्व सरपंच नाहर सिंह ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान मदन लाल गुर्जर ने कहा खेलो को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेलों के माध्यम से शरीर में तन्दरूस्ती बनी रहती है। खेलों में हार-जीत का कोई मतलब नहीं होता है, परन्तु इसके द्वारा आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में खेलकूद गतिविधियों का होना बहुत आवश्यक है। स्वस्थ जीवन के लिए खेलना और व्यायाम को नियमित प्रक्रिया में अपना चाहिए। कोई भी खिलाड़ी बिना खेल के जीवन में उन्नति नहीं कर सकता है। युवाओं को अपने भविष्य को लेकर खेलों में भागीदारी निभाकर अपने गांव व क्षेत्र का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेडल मिलना या न मिलना महत्व नहीं रखता, बल्कि खेलते वक्त विभिन्न प्रकार के अनुभवों का ज्ञान भी होता है, जो हमें जीवन पर्यन्त काम आता है। कार्यक्रम में सुरेंद्र दायमा व संदीप फौजी ने बताया कि प्रतियोगिता में आयोजित रस्सा कस्सी में गांव की दो टीमों ने आजमाइस की जिसमें मेहाड़ा गुजरवास, टीम ने जीत हासिल की। इसके अलावा 100 मीटर दौड़ में सुरेंद्र गुर्जर ने प्रथम तो बुजुर्ग दौड़ में सुबेदार रामेश्वर ने प्रथम स्थान हासिल की। इस दौरान आयोजन समिति की ओर से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ईनाम देकर सम्मानित किया। इस मौके पर शीशराम, रामेश्वर, जगमाल सिंह, ढेढाराम, एनआईएस कोच अवकाश दायमा, राहुल, विक्रम, प्रकाश चन्द्र, मामराज, नरेश कुमार, हंसराज, ग्यारसी लाल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

हलवाई कैटरर्स समिति चुनाव : सदस्य हित-स्वास्थ्य सुविधा और स्थायी कार्यालय पर रामेश्वर कसाना का जोर

कसाना ने अपने चुनावी एजेंडे में कहा सदस्यों की सुविधा और सम्मान के लिए करेंगे काम

निसं

जयपुर (नवयत्न)। हलवाई कैटरर्स कल्याण समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव 2 सितंबर को जनउपयोगी भवन आरपीए रोड पर जयपुर में होने जा रहे है इस चुनाव में अध्यक्ष पद पर और रामेश्वर कसाना और हनुमान गुर्जर के बीच सीधा मुकाबला है। हलवाई कैटरर्स कल्याण समिति के आगामी चुनाव में 541 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर समिति के अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। अध्यक्ष पद के लिए होने वाले मतदान के बाद ही परिणाम स्पष्ट होगा और तय होगा कि समिति की कमान किसके हाथ में जाएगी। वहीं हलवाई कैटरर्स कल्याण समिति के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामेश्वर कसाना ने चुनाव जीतने पर समिति के सदस्यों के हित में स्वास्थ्य सुविधा, स्थायी कार्यालय एवं सदन, पुलिस-प्रशासन से जुड़ी समस्याओं के समाधान और आर्थिक सहायता सहित कई कार्यों को प्राथमिकता देने की घोषणा भी की है। उन्होंने कहा कि कार्यकारिणी सदस्यों और समिति के सभी सदस्यों के आशीर्वाद व सहयोग से जिम्मेदारी मिलने पर पूरी ईमानदारी और मजबूती के साथ समिति के हित में काम करेंगे। कसाना ने कहा कि सदस्यों के लिए चुनिंदा अस्पतालों से संपर्क कर ऐसी व्यवस्था कराने का प्रयास किया जाएगा, जिससे जरूरत पड़ने पर तत्काल उपचार मिल सके। उपचार के दौरान सदस्यों को आर्थिक राहत दिलाने की दिशा में भी प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति के लिए उचित स्थान और स्थायी कार्यालय एवं सदन की व्यवस्था कराने के लिए सरकार और संबंधित विभागों से संपर्क किया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि कार्यालय में सदस्यों को आवश्यक सुविधाएं मिलें और समिति की गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो। कसाना ने कहा कि किसी सदस्य को पुलिस या प्रशासन से संबंधित परेशानी होने पर उसकी समस्या को संबंधित अधिकारियों और सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। सदस्यों के हितों से जुड़े मामलों के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

निधन पर 21 हजार रुपए की सहायता- अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ने घोषणा की कि उनके निर्वाचित होने पर समिति के किसी सदस्य के निधन की स्थिति में उसके परिवार को समिति की ओर से 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

नोखा नगरपालिका चुनाव : 30 उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन, 42 नामांकन पत्र प्राप्त

निसं

नोखा (नवयत्न)। नगरपालिका नोखा के आगामी निकाय चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों का विवरण सामने आया है। निर्वाचन कार्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार अब तक 30 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है, जबकि कुल 42 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। उपखण्ड अधिकारी ने बताया की 29 अगस्त 2026 को सबसे अधिक 28 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, जबकि 27 अगस्त को 2 उम्मीदवारों ने नामांकन प्रस्तुत किया था।

दलवार स्थिति

नामांकन सूची में सबसे अधिक कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सिस्ट के 13 उम्मीदवार शामिल हैं। इनके बाद भारतीय जनता पार्टी के 7, निर्दलीय 8 तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 2 उम्मीदवार मैदान में हैं। नामांकन पत्रों की संख्या के लिहाज से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्सिस्ट के उम्मीदवारों ने 25 नामांकन पत्र, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों ने 7, निर्दलीय उम्मीदवारों ने 8 तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के उम्मीदवारों ने 2 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इस प्रकार कुल 42 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं।

आरक्षण वर्ग के अनुसार भी तस्वीर स्पष्ट

प्राप्त विवरण में 17 सामान्य वर्ग, 8 अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 5 अनुसूचित जाति वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं। नामांकन सूची में कई वार्डों से एक से अधिक उम्मीदवारों के नाम सामने आए हैं। विशेष रूप से वार्ड 10, 11, 27, 29, 33, 35, 36 और 37-38 में राजनीतिक दलों के साथ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी नामांकन दाखिल किया है। इससे आगामी नगरपालिका चुनाव में कई वार्डों में मुकाबला रोचक होने के आसार हैं। निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी नाम निर्देशन पत्रों के विवरण से स्पष्ट है कि नोखा नगरपालिका चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और अब चुनावी मैदान में उम्मीदवारों की तस्वीर धीरे-धीरे साफ होती जा रही है।

जिला कलेक्टर निशांत जैन अचानक पहुंचे नोखा

इधर, निकाय चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां तेज हैं। जिला कलेक्टर निशांत जैन अचानक नोखा पहुंचे और उन्होंने निकाय चुनाव की तैयारियों एवं नामांकन प्रक्रिया का जायजा लिया। जिला कलेक्टर ने उपखंड कार्यालय एवं तहसील कार्यालय पहुंचकर चुनावी प्रक्रिया का निरीक्षण किया और अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने नामांकन प्रक्रिया को सुचारू बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्येक प्रत्याशी के सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच एवं जानकारी व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि नामांकन प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उम्मीदवारों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क

प्रशासन की ओर से उम्मीदवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी की गई है। यहां प्रत्याशियों एवं उनके प्रस्तावकों को नामांकन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और चुनाव संबंधी अन्य जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। जिला कलेक्टर ने कहा कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार नामांकन प्रक्रिया जारी है। और नोखा निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन की ओर से की गई सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं।

पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद

नामांकन प्रक्रिया के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी सतर्क नजर आया। सीओ जरनैल सिंह तथा सब इंस्पेक्टर कुशलाराम पुलिस जवानों के साथ मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने नामांकन स्थल पर सुरक्षा एवं व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्रामीणों द्वारा आंदोलन की चेतावनी के बाद जागा प्रशासन, स्टेट हाईवे का गड्ढा किया दुरुस्त

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के पपुरना में ग्रामीणों के आंदोलन की चेतावनी के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आया। खेतड़ी-नीमकाथाना स्टेट हाईवे पर सड़क के बीच बने गहरे गड्ढे को पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से दुरुस्त करवा दिया गया। विभाग ने जेसीबी मशीन लगाकर गड्ढे को भरने के साथ सड़क को आवागमन के लिए सुचारु किया। ग्रामीणों ने बताया कि स्टेट हाईवे पर सड़क के बीच काफी समय से गड्ढा बना हुआ था। बारिश के बाद इसमें पानी जमा हो जाता था, जिससे वाहन चालकों को गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता था। विशेष रूप से रात के समय यहां से गुजरने वाले दुपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। गड्ढे के कारण आए दिन दुपहिया वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे थे। वहीं बड़े वाहनों के आवागमन में भी परेशानी बनी हुई थी। ग्रामीणों ने सड़क की खराब स्थिति को लेकर कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया था, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा था। ग्रामीणों ने सड़क को ठीक करने के लिए शुक्रवार को पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निरंजन लाल सैनी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन को चेतावनी दी थी कि यदि जल्द ही सड़क के गड्ढे को ठीक नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों के विरोध और आंदोलन की चेतावनी के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग ने मौके पर जेसीबी मशीन भेजकर सड़क के बीच बने गड्ढे को ठीक करवाया। गड्ढा दुरुस्त होने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क की मरम्मत से फिलहाल आवागमन में राहत मिली है, लेकिन स्टेट हाईवे की पूरी सड़क का निरीक्षण करवाकर जहां भी गड्ढे हैं, उन्हें भी जल्द ठीक किया जाना चाहि, ताकि भविष्य में हादसों को रोका जा सके।

माँ तुझे प्रणाम सांस्कृतिक कार्यक्रम व लहरिया उत्सव आयोजित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मानव एवं समाज सेवा को समर्पित जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति के तत्वावधान में भट्टारक की नसिया स्थित इंद्रलोक सभागार में माँ तुझे प्रणाम सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लहरिया उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। समिति की आधार स्तम्भ डॉ. शीला जैन, विमला देवी छाबड़ा और भंवर देवी बेलेवाला की मधुर स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में 500 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समिति की अध्यक्ष स्वर्ण लता अजमेरा, कार्याध्यक्ष नमिता छाबड़ा एवं मंत्री पुष्पा सोगानी ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेविका ऋतु कासलीवाल ने कीए जबकि मुख्य अतिथि उमा दीवान और दीप प्रज्ज्वलक समाजसेविका रेणु राणा रहीं। कार्यक्रम में समाज की अनेक गणमान्य महिला अतिथियों का भावभीना स्वागत व सम्मान किया गया। इसे पूर्व भगवान महावीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के बाद मंगलाचरण और लहरिया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। ऋतु पापड़ीवाल के निर्देशन में डॉ. शीला जैन की स्मृति में माँ तुझे प्रणाम विषय पर भावनापूर्ण नृत्य पेश किया गया। कोषाध्यक्ष तरुणा संघी के अनुसार, मोनो, क्टिंग विधा को जीवित रखते हुए परिवार के भावनात्मक ताने-बाने पर आधारित एकल नाटक की मार्मिक प्रस्तुति दी गई। नीरा लुहाड़िया, संगीता छाबड़ा और भावना छाबड़ा ने सास.बहू की चुलबुली पेरोड़ी से समां बांधा। वहीं, आधुनिक वैवाहिक संबंधों में आने वाली चुनौतियों पर उमा, मीनाक्षी, रीना आदि ने प्रासंगिक नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन युवा महासभा और राजस्थान जैन सभा के पदाधिकारियों का माल्यार्पण व पौधे भेंट कर अभिनंदन किया गया। गुलाबी व रानी रंग की लहरिया साड़ियों में सजी महिलाओं ने संगीत की धुनों पर थिरकते हुए पूरे सभागार को तालियों से गुंजायमान कर दिया। अंत में आयोजित धार्मिक प्रश्नोत्तरी और हाऊजी प्रतियोगिता में विजेताओं को 100 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए। मंच संचालन पुष्पा सोगानी ने किया।

निकाय चुनाव में नामांकन का सैलाब

दूसरे दिन 787 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए 894 पर्चे

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। नगरीय निकाय आम चुनाव को लेकर जिलेभर में नामांकन प्रक्रिया ने दूसरे दिन रफ्तार पकड़ ली। शनिवार को जिले की 19 नगरीय निकायों में 787 अभ्यर्थियों ने कुल 894 नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन के साथ ही चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। रविवार को अवकाश रहेगा, जबकि सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन होगा। ऐसे में अंतिम दिन बड़ी संख्या में प्रत्याशियों के पर्चे दाखिल करने की संभावना है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अरुण गर्ग ने बताया कि झुंझुनूं नगर परिषद में 62 अभ्यर्थियों ने 73 नामांकन पत्र दाखिल किए। इसी प्रकार बगड़ में 41 अभ्यर्थियों ने 48, चिड़ावा में 75 ने 76, सुल्ताना में 24 ने 24, मंड्रेला में 38 ने 55, पिलानी में 64 ने 66, विद्या विहार में 22 ने 22, सूरजगढ़ में 40 ने 40, बुहाना में 23 ने 23, सिंघाना में 72 ने 79, खेतड़ी में 77 ने 111, उदयपुरवाटी में 59 ने 78, नवलगढ़ में 33 ने 33, डूंडलोद में 41 ने 41, मुकुंदगढ़ में 34 ने 34, मंडावा में 10 ने 12, बिसाऊ में 14 ने 15 और मलसीसर में 58 अभ्यर्थियों ने 64 नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं जाखल में दूसरे दिन भी किसी अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया।

खेतड़ी में सबसे ज्यादा 111 नामांकन

दूसरे दिन निकायवार आंकड़ों में खेतड़ी सबसे आगे रहा, जहां 77 अभ्यर्थियों ने 111 नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके बाद सिंघाना में 72 अभ्यर्थियों ने 79 और उदयपुरवाटी में 59 अभ्यर्थियों ने 78 नामांकन पत्र जमा किए। झुंझुनूं नगर परिषद में 62 अभ्यर्थियों ने 73 नामांकन पत्र दाखिल किए।

आज छुट्टी, सोमवार को अंतिम दिन

नामांकन प्रक्रिया में रविवार को अवकाश रहेगा। सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन होने के कारण राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए यह दिन बेहद अहम रहेगा। अभी तक नवलगढ़, मुकुंदगढ़ और डूंडलोद में कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इनके अलावा जिले की अन्य नगरीय निकायों में भाजपा और कांग्रेस की ओर से अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की गई है। ऐसे में टिकट के दावेदारों और संभावित बागी प्रत्याशियों की नजरें पार्टी की अधिकृत सूची पर टिकी हैं। अंतिम दिन टिकट से वंचित दावेदारों के निर्दलीय मैदान में उतरने से कई वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय या बहुकोणीय होने के आसार हैं।

दूसरे दिन 14 प्रत्याशियों ने दाखिल किए 15 नामांकन

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शुक्रवार को 14 प्रत्याशियों ने कुल 15 नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें 11 महिलाएं और 3 पुरुष प्रत्याशी शामिल हैं। निर्वाचन अधिकारी एवं तहसीलदार पवन कुमार मीणा ने बताया कि दूसरे दिन कांग्रेस के 4, भाजपा के 5 और 5 निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। एक प्रत्याशी ने दो स्थानों से नामांकन पत्र दाखिल किया है। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन किसी प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल नहीं किया था। दूसरे दिन पहला नामांकन निर्दलीय प्रत्याशी पिंटू चौहान ने दाखिल किया। भाजपा और कांग्रेस की ओर से अभी तक अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की गई है। ऐसे में टिकट के दावेदारों की चिंता बढ़ गई है। भाजपा के पूर्व पालिका उपाध्यक्ष दीनदयाल खवास ने पार्टी प्रत्याशी के साथ निर्दलीय के रूप में भी नामांकन दाखिल किया। पार्टी की अधिकृत सूची जारी होने के बाद नामांकन प्रक्रिया में और तेजी आने की संभावना है।

डीएलएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा 31 अगस्त से, जिले के 6 केंद्रों पर 1294 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। डीएलएड द्वितीय वर्ष परीक्षा-2026 का आयोजन 31 अगस्त से 18 सितंबर तक किया जाएगा। निदेशक प्रारंभिक शिक्षा एवं पंचायती राज (प्रा.शि.) विभाग राजस्थान, बीकानेर के निर्देशानुसार होने वाली परीक्षा को लेकर जिले में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेगा। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नगरीय निकाय आम चुनाव को देखते हुए परीक्षा समय-सारणी में आंशिक संशोधन भी किया गया है। डाइट प्रधानाचार्य सुमित्रा झाझड़िया ने बताया कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अनुचित सामग्री के उपयोग पर रोक लगाने के लिए जिले में दो उड़नदस्ते गठित किए गए हैं। डीएलएड परीक्षा जिला प्रभारी प्रमेन्द्र कुल्हार ने बताया कि परीक्षा के लिए जिले में 6 केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 1294 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इनमें शहीद कर्नल जेपी जानू झुंझुनू में 325, परमवीर पीरूसिंह राउमावि झुंझुनू में 192, जेके मोदी राबाउमावि झुंझुनू में 260, राउमावि अणगासर में 151, राउमावि आबूसर में 154 और राबाउमावि हेतमसर में 212 परीक्षार्थी शामिल हैं।

यह रहेगा परीक्षा कार्यक्रम

31 अगस्त को बच्चे और सीखना, 1 सितंबर को विद्यालय संस्कृति, प्रबंधन और शिक्षक, 2 सितंबर को आधुनिक विश्व में विद्यालय शिक्षा, 3 सितंबर को हिंदी भाषा शिक्षण एवं प्रवीणता, 5 सितंबर को अंग्रेजी भाषा शिक्षण एवं प्रवीणता, 15 सितंबर को गणित शिक्षण, 16 सितंबर को तृतीय भाषा शिक्षण, 17 सितंबर को स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा 18 सितंबर को सामाजिक विज्ञान शिक्षण विज्ञान शिक्षण विषय की परीक्षा होगी।

30 हजार रुपए दांव पर, पुलिस ने 4 जुआरियों को दबोचा

निसं

पिलानी (नवयत्न)। नगरीय निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिलानी पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने काजड़ा स्थित तालाब की बगीची में ताश के पत्तों पर रुपए दांव लगाकर जुआ खेलते चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से पुलिस ने 30 हजार रुपए की जुआ राशि और 52 ताश के पत्ते बरामद कर जब्त किए। कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि काजड़ा तालाब बगीची में कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपए का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश निवासी काजड़ा, सुभाषचंद निवासी काजड़ा, दलीप सिंह निवासी भगीना और विकास निवासी काजड़ा शामिल हैं। कार्रवाई थानाधिकारी अलका विश्नोई के नेतृत्व में एएसआई रूपेंद्र सिंह, कांस्टेबल अनिल कुमार, प्रवीण कुमार, महिपाल सिंह और हरेन्द्र की टीम ने की। पुलिस के अनुसार चुनाव के मद्देनजर अवैध गतिविधियों और जुआ-सट्टे के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

'मेरा दिल चुरा लिया नंद के दुलारे...' पर झूमे श्रद्धालु, कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

निसं

बुगाला (नवयत्न)। ठाकुरजी मंदिर सेवा समिति व जनसहयोग से शनिवार को मुख्य बाजार में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा से पहले ठाकुरजी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य ने महिलाओं को कलश प्रदान किए, वहीं मंदिर पुजारी ओमदास स्वामी ने विधिवत कलश पूजन कराया। डीजे पर बज रही भक्ति धुनों के बीच कलश यात्रा गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल पहुंची। इस दौरान श्रद्धालु भजनों पर झूमते हुए चल रहे थे और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। कथा के प्रथम दिन नेछवा से आए कथावाचक पं. राजेंद्र शास्त्री ने भागवत कथा के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा का रसपान करने से लोक और परलोक दोनों सुधरते हैं तथा मनुष्य को सद्कर्म, भक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। कथा से पहले ब्रह्मचारी गणेश चैतन्य ने 'मेरा दिल चुरा लिया है नंद के दुलारे' कृष्ण भक्ति गीत प्रस्तुत किया, जिस पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। प्रथम दिन के मुख्य यजमान मन्नालाल शर्मा दंपती रहे।

बुहाना में 118 ने लिए पर्चे, 23 ने भरे नामांकन

सोमवार को आखिरी दिन, भाजपा-कांग्रेस की सूची का इंतजार

मधु दहिया

बुहाना (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव में नामांकन प्रक्रिया के बीच अब सभी की नजरें सोमवार पर टिक गई हैं। रविवार को अवकाश रहेगा और सोमवार नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन है। बुहाना नगर पालिका में अब तक 118 दावेदारों ने आवेदन पत्र लिए, जबकि 23 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। अंतिम दिन बड़ी संख्या में पर्चे दाखिल होने की संभावना है। इधर, भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की अधिकृत टिकट सूची जारी नहीं की है, जिससे चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुई है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा सूची जारी करने के बजाय सीधे प्रत्याशियों को पार्टी का सिंबल सौंप सकती है या अधिकृत सूचीध्सिंबल रिटर्निंग अधिकारी को भेज सकती है। ऐसे में सोमवार को ही कई वार्डों में प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है। टिकट के इंतजार में बैठे दावेदारों के साथ निर्दलीय प्रत्याशियों की भी अंतिम दिन पर नजर है।

बुहाना में 23 ने भरे पर्चे

बुहाना नगरपालिका चुनाव में नामांकन के दौरान वार्डवार तस्वीर भी सामने आने लगी है। वार्ड 1 से मोहम्मद शरीफ और संदीप कुमार ने निर्दलीय, वार्ड 2 से मीना देवी और रामकिशन सिंह ने निर्दलीय नामांकन दाखिल किया। वार्ड 3 से मुकेश रांगेय ने कांग्रेस, वार्ड 4 से बिजेंद्र सिंह ने कांग्रेस और धूडाराय ने निर्दलीय, जबकि वार्ड 5 से सुनील कुमार ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में पर्चा भरा। वार्ड 7 से दिनेश कुमार व मंजू कुमारी ने निर्दलीय तथा अनिल कुमार ने कांग्रेस से, वार्ड 8 से ओमप्रकाश ने कांग्रेस, वार्ड 12 से सोनम कंवर ने निर्दलीय और सरोज ने कांग्रेस से नामांकन दाखिल किया। वार्ड 14 से शिव कुमार ने भाजपा और रघुवीर सिंह तंवर ने कांग्रेस, वार्ड 15 से मनीषा ने निर्दलीय और नीलम देवी ने कांग्रेस, वार्ड 16 से मोनिका ने कांग्रेस और मायावती देवी ने निर्दलीय, वार्ड 18 से सतीश कुमार कौशिक तथा वार्ड 20 से बजरंगलाल और भंवरसिंह ने कांग्रेस से नामांकन दाखिल किया है। रविवार को अवकाश रहेगा और सोमवार अंतिम दिन होने से नामांकन के आंकड़े और वार्डों की तस्वीर बदल सकती है।

वार्ड 38 : आज रात स्वच्छता अभियान सुबह नामांकन

गांधी-आजाद को समर्पित कार्यक्रम में स्वच्छता का संकल्प दिलाया जाएगा

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। नगर परिषद झुंझुनूं के वार्ड 38 में रविवार रात स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता शहबाज फारुकी के नेतृत्व में आयोजित यह अभियान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के प्रथम शिक्षा मंत्री और स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद को समर्पित रहेगा। अभियान के अगले दिन सोमवार को फारुकी नगर निकाय चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत करेंगे। शहबाज फारूकी ने बताया कि स्वच्छता अभियान के माध्यम से आमजन को यह संकल्प दिलाया जाएगा कि झुंझुनूं शहर को स्वच्छता के मामले में देशभर में अग्रणी बनाने की शुरुआत अपने वार्ड से की जाए। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से वार्ड 38 को स्वच्छता, बिजली एवं पेयजल सुविधाओं के मामले में शहर के अग्रणी वार्डों में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वार्ड 38 में यथासंभव बिजली और पेयजल की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्य किए गए हैं। अब स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए रविवार रात अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में नामांकन पत्र प्रस्तुत करने से पहले वार्ड को स्वच्छता के मामले में प्रथम स्थान पर लाने का संकल्प झुंझुनूं की सुनहरी तस्वीर बनाने की दिशा में मजबूत आधार बनेगा। फारुकी ने आमजन से अभियान में भागीदारी निभाने तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर का सपना केवल प्रशासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि शहरवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता से ही साकार हो सकता है।

डॉ उदयवीर शर्मा को मिलेगा पारख साहित्य पुरस्कार

बिसाऊ (नवयत्न)। राजस्थानी भाषा और साहित्य की समग्र सेवा के लिए बिसाऊ के 94 वर्षीय वरिष्ठ साहित्यकार एवं वरदा के संपादक डॉ उदयवीर शर्मा को वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित कन्हैयालाल रतनलाल पारख राजस्थानी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रयास संस्थान, चूरू की ओर से दिए जाने वाले इस सम्मान के लिए डॉ शर्मा का चयन किया गया है। एडवोकेट नीरज शर्मा के अनुसार प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि सुंदरदेवी लक्ष्मीदेवी पारख ट्रस्ट, कोलकाता के मुख्य ट्रस्टी एवं चूरू मूल के उद्योगपति बसंत कुमार पारख के सौजन्य से यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। डॉ शर्मा को 1 सितंबर को चूरू में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में 51 हजार रुपए की पुरस्कार राशि, शॉल, श्रीफल और मानपत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। प्रयास संस्थान की ओर से इससे पहले राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार तेजसिंह जोधा नागौर, डॉ चंद्रप्रकाश देवल अजमेर, डॉ देव कोठारी उदयपुर, मोहन आलोक श्रीगंगानगर, प्रो. जहूर खां मेहर जोधपुर और नागराज शर्मा पिलानी को भी सम्मानित किया जा चुका है।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खेलों का जोश, मैदान में उतरे विद्यार्थी और शिक्षक

निसं

गुढ़ा (नवयत्न)। राष्ट्रीय खेल दिवस पर शनिवार को सेठ श्री केदारनाथ मोदी राजकीय महाविद्यालय में खेलों का उत्साह देखने को मिला। हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं हुईं। खास बात रही कि विद्यार्थियों के साथ शिक्षक और स्टाफ सदस्य भी मैदान में उतरे और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्राचार्य प्रो. (डॉ) अनिता झाझड़िया ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ खेलों की भी अहम भूमिका है।

खेल आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे दिन महाविद्यालय परिसर में खेल भावना और उत्साह का माहौल रहा।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खेलों का जोश, वॉलीबॉल में स्वर्ण जयंती स्टेडियम ने मारी बाजी

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। हॉकी के जादूगर एवं महान खिलाड़ी स्वर्गीय मेजर ध्यानचंद की जयंती पर शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। स्वर्ण जयंती स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेलप्रेमियों ने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान खेलों के प्रति युवाओं को जागरूक करने और नियमित खेल गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया गया। जिला खेल अधिकारी राजेश ओला ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन और खेल के प्रति उनका समर्पण देश के खिलाड़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग हरिराम महन, डॉ कमलेश झाझड़िया, जिला रोजगार अधिकारी दयानंद यादव, अंतर्राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी सुरेश कुमार, जयप्रकाश लामोरिया, वरिष्ठ निजी सचिव जिला कलेक्टर रामसिंह पूनिया, एपीआरओ विकास चाहर, फुटबॉल कोच विकास बुडानिया, मुखराम डांगी, शेर सिंह, पंकज बॉक्सर, वॉलीबॉल कोच छोटूराम खेदड़, जूडो कोच आजाद सिंह सहित खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे।

वॉलीबॉल में स्वर्ण जयंती स्टेडियम ने मारी बाजी

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार शाम वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। फाइनल मुकाबला स्वर्ण जयंती स्टेडियम झुंझुनूं और आईबीएन स्कूल, गुड्डा की टीम के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले में स्वर्ण जयंती स्टेडियम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई, जिनमें खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

नवलगढ़ में कांग्रेस ने 40 वार्डों में उतारे प्रत्याशी, 5 वार्डों पर अभी सस्पेंस

डूंडलोद के 20 में 19 वार्डों की सूची जारी

निसं

नवलगढ़ (नवयत्न)। निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने नवलगढ़ और डूंडलोद नगरपालिकाओं के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। नवलगढ़ नगरपालिका के कुल 45 वार्डों में कांग्रेस ने 40 वार्डों में प्रत्याशी घोषित किए हैंए, जबकि 5 वार्डों के प्रत्याशियों की घोषणा अभी बाकी है। वहीं डूंडलोद नगरपालिका के 20 वार्डों में कांग्रेस पार्टी ने 19 प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। सूची जारी होने के साथ ही दोनों निकायों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं और टिकट पाने वाले दावेदारों ने जनसंपर्क की तैयारी शुरू कर दी है। प्रत्याशियों की सूची नवलगढ़ के कांग्रेस प्रभारी किशनसिंह चौहान ने जारी की। जिसके अनुसार नवलगढ़ में वार्ड 1 से कैलाश चन्द सैनी, 2 से शाहनू, 03 से अनोखा सैनी, 04 से चन्द्र शेखर सैनी, 05 से माया देवी, 06 से मोनिका सैनी, 07 से धर्मेन्द्र पारीक, 08 से अब्दुल सलाम, 09 से अदनान खत्री, 10 से विजेन्द्र कुमार माहिच, 11 से प्रकाश रूंथला, 12 से दीक्षा शर्मा, 13 से मुकेश, 15 से बाबूलाल, 16 से संजय कुमार सैनी, 17 से ज्योति देवी, 21 से महेन्द्र कुमार, 22 से लालचन्द, 24 से मंजू देवी, 25 से नरेश कुमार, 26 से विजेन्द्र गढ़वाल, 27 से मोहम्मद आरिफ गाजी, 28 से कुलसम, 29 से नसीम बानो, 30 से शबनम, 31 से सबीना, 32 से बलदेव, 33 से शरीफ चोपदार, 34 से इंदु, 35 से सीमा शर्मा, 36 से भोजराज सिंह, 37 से मकसुदा, 38 से पुष्पा देवी, 39 से सुभाष चन्द, 40 से मोहम्मद जाबिद, 41 से संदीप शर्मा, 42 से कौशल्या देवी, 43 से मोहम्मद हनीफ खान, 44 से रामाकिशन सैनी और 45 से रामावतार को प्रत्याशी बनाया गया है। वार्ड 14, 18, 19, 20 और 23 में कांग्रेस की ओर से प्रत्याशियों की घोषणा अभी शेष है।

डूंडलोद में 20 में से 19 वार्डों में कांग्रेस ने घोषित किए प्रत्याशी

निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने डूंडलोद नगरपालिका के 20 वार्डों में से 19 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। वार्ड 12 के प्रत्याशी का नाम अभी घोषित नहीं किया गया है। कांग्रेस की सूची में वार्ड 1 से रानिया, 2 से बनेश, 3 से बिलकिस बानो, 4 से मोहम्मद जाकिर, 5 से सोनू देवी, 6 से सुरेश कुमार, 7 से करण सिंह बिकावत, 8 से मनफूल सिंह पूनियां, 9 से नरेश, 10 से सुंदर मल, 11 से गोपाल, 13 से शारदा सैनी, 14 से अजय, 15 से सरला देवी, 16 से ऋषिकेश शर्मा, 17 से सुनील, 18 से इकरा बानो, 19 से बाबूलाल और 20 से मोहम्मद रिजवान को प्रत्याशी बनाया गया है। वार्ड 12 में टिकट की घोषणा अभी बाकी है।

50,207 मतदाता तय करेंगे प्रत्याशियों का भविष्य

नवलगढ़ नगरपालिका क्षेत्र में कुल 50 हजार 207 मतदाता हैं। इनमें 26 हजार 365 पुरुष और 23 हजार 839 महिला मतदाता शामिल हैं। ऐसे में महिला मतदाताओं की संख्या भी चुनाव में अहम भूमिका निभाएगी। पालिकाध्यक्ष पद महिला के लिए आरक्षित होने के कारण पार्षद चुनाव के परिणामों के बाद अध्यक्ष पद के लिए बनने वाले समीकरणों पर भी सभी की नजर रहेगी। नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त होने के चलते आने वाले दिनों में चुनावी तस्वीर और स्पष्ट होने की संभावना है।

डूंडलोद में 10,051 मतदाता

डूंडलोद नगरपालिका क्षेत्र में कुल 10,051 मतदाता हैं। इनमें 5 हजार 280 पुरुष और 4 हजार 771 महिला मतदाता शामिल हैं। चुनाव के लिए नगरपालिका के 20 वार्डों में 20 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। कांग्रेस की ओर से 19 वार्डों में प्रत्याशी घोषित होने के बाद अब मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी है।

सम्पादकीय

बिना हुनर के डिग्री

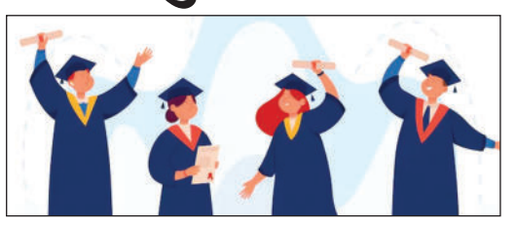

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं।

यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के वर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई। लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाते हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं।

विशेष आलेख

'शोध लोकपाल' करे पौराणिक नुस्खों की जांच

चीन ने पारंपरिक चिकित्सा के लिए धार्मिक या विचारधारा-आधारित मान्यता को पुष्ट करने के बजाय विज्ञान-आधारित खोज का तरीका अपनाया है। आर्टेमिसिनिन की खोज इसका एक अच्छा उदाहरण है; यह एक मलेरिया-रोधी दवा है, जिसके लिए चीनी वैज्ञानिक तू यूयू को 2015 में चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला था।

पिछले दिनों संसद में गोमूत्र को लेकर कुछ दिलचस्प टिप्पणियां की गईं। संदर्भ था, आईआईटी मद्रास के निदेशक वीझिनाथन कामाकोटी को प्रवेश परीक्षाओं में सुधार के लिए बनाए गए कार्यदल का सदस्य बनाना। इस विषय पर बहस के दौरान, कामाकोटी द्वारा गोमूत्र के उपयोग के समर्थन का अपरोक्ष ज़िक्र किया गया। बचाव में, सत्ताधारी पार्टी के कुछ सदस्यों ने गोमूत्र के कुछ गुणों के लिए मिले पेटेंट का हवाला दिया, यह साबित करने के लिए कि दावों का आधार वास्तव में वैज्ञानिक है।

पिछले साल जनवरी में, कामाकोटी ने एक सार्वजनिक सभा में दावा किया था कि गोमूत्र में 'फफूंदनाशक, जीवाणु-नाशक और सूजन कम करने वाले' गुण होते हैं, जिन्हें 'वैज्ञानिक रूप से सही' पाया जा चुका है। शिक्षा जगत के एक समूह ने कामाकोटी का समर्थन करते हुए कहा है कि गोमूत्र पर उनके विचारों को खारिज करना संविधान में निहित वैज्ञानिक सोच को कमज़ोर करने जैसा है, और उन्हें 'एक परिकल्पना प्रस्तुत करने और पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने' का अधिकार है। आईआईएम कलकत्ता के निदेशक ने भी कामाकोटी का बचाव किया है। गोमूत्र और गोबर पर अनुसंधान कोई नई बात नहीं है। 1970 और 1980 के दशक में भी कुछ दावे किए गए थे और शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे, लेकिन वे हाशिए पर ही रहे। नई बात यह है कि पौराणिक-धार्मिक मान्यताओं को वैज्ञानिक रूप से सही साबित करने के लिए व्यवस्थित सरकारी प्रयासों के तहत ऐसे शोधों को आधिकारिक समर्थन मिल रहा है।

नतीजतन, व्यावसायिक पत्रिकाओं में गोमूत्र और गोबर के बारे में लेखों और समीक्षाओं की बाढ़ आ गई है, और कुछ दावों पर पेटेंट के लिए अर्जियां जमा करवाई गई हैं। एक ओर वैज्ञानिकों की पेशेवर संस्थाएं इस पर चुप्पी साधे हुए हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे दावों को आईआईटी और आईआईएम के निदेशकों जैसे उच्च पदों पर बैठे लोगों का समर्थन मिल रहा है —जो ज़रूरी नहीं कि जैव-रासायनिकी, फार्माकोलॉजी या दवा-अनुसंधान के विशेषज्ञ हों।

पौराणिक विचारों और मान्यताओं को सही ठहराने के लिए वैज्ञानिक मान्यता गढ़ना कई कारणों से सही मायने में विज्ञान नहीं है। खोज का यह तरीका पूर्व-धारणा और अपनी बात को किसी भी तरह सही साबित करने की प्रवृत्ति से शुरू होता है, जिसमें इसे गलत साबित किए जाने की गुंजाइश नहीं रखी जाती। प्राचीन ग्रंथों और पारंपरिक ज्ञान में मानव शरीर, बीमारियों और इलाज का ज़िक्र ऐसी अस्पष्ट शब्दावली में किया गया है कि उन्हें किसी भी आधुनिक खोज या धारणा के हिसाब से तोड़ा-मरोड़ा या समझाया जा सकता है। अक्सर इस तरीके का इस्तेमाल यह दावा करने के लिए किया जाता है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी, स्टेम सेल ट्रीटमेंट, इन-विट्रो फर्टिलाइज़ेशन और उपग्रह संचार जैसी उन्नत विधाएं मौजूद थीं।

गोमूत्र के मामले में भी पुष्टिकरण का यही ढंग अपनाने की कोशिश की जा रही है। गाय के मूत्र या गोबर में सूक्ष्म मात्रा में खनिजों और सक्रिय जैव-जीवाणुनाशक जैसे तत्वों का मिल जाना, उनके औषधीय गुणों का पक्का सबूत नहीं है, क्योंकि ठीक यही तत्व इंसानों और अन्य स्तनधारी जीवों (जैसे बैल, याक या हिरण) के मल-मूत्र में भी मिल सकते हैं। ज़्यादा से ज़्यादा, ऐसे शोध को छद्म-विज्ञान की श्रेणी में रखा जा सकता है, क्योंकि इसमें मूत्र की रासायनिक संरचना बताने के लिए कुछ वैज्ञानिक शब्दों का इस्तेमाल तो किया जाता है, लेकिन औषधीय फ़ायदों के दावों का आधार वैज्ञानिक नहीं होता; क्योंकि जो कुछ भी किया गया है, वह पेट्री डिश में और गाय के मूत्र के कुछ अर्क का इस्तेमाल करके किया गया है, न कि पूरे मूत्र का।

जब कोई शोध पूर्व-धारणा के साथ शुरू होती है, तो अक्सर नकारात्मक नतीजों को नज़रअंदाज़ या दबा दिया जाता है। हाल ही में सरकार ने दावा किया कि एक नया अध्ययन स्थापित करता है कि पपीते के पत्तों का अर्क 'कीमोथेरैपी से जुड़े कम प्लेटलेट काउंट के लिए एक सस्ता इलाज है'। यह परिणाम एक ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ। हालांकि, स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के बाद उक्त पत्रिका को नतीजों की दोबारा समीक्षा करनी पड़ी। विशेषज्ञों ने पाया कि अनुसंधानकर्ता ने उन मरीज़ों के मामलों को जानबूझकर छोड़ दिया था, जो ठीक नहीं हुए थे, ताकि जैविक अर्क ज़्यादा असरदार दिखे।

यही कुछ हल्दी के एक सक्रिय तत्व 'करक्यूमिन' के साथ भी है। इसे कैंसर समेत कई बीमारियों के इलाज में काम आने वाली एक चमत्कारी जड़ी-बूटी बताया गया है। हाल के सालों में पता चला है कि ये दावे संदिग्ध अनुसंधान पर आधारित हैं, भले ही वे अंतरराष्ट्रीय खोज पत्रिकाओं में छपे हों। अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं अमेरिकी खोजकर्ता भरत अग्रवाल के लिखे करक्यूमिन पर 30 से ज़्यादा शोधपत्र अब तक गलत डेटा, जाली तस्वीरों और हेरफेर किए गए आंकड़ों की वजह से वापस ले चुकी हैं। 1990 के दशक में, मुरादाबाद के खोजकर्ता आर.बी. सिंह ने इज़राइल और स्लोवाकिया के समकक्षों के साथ मिलकर, दिल की बीमारी बढ़ जाने पर 'इंडो-मेडिटेरेनियन डाइट' के फायदों की जांच और इसके नतीजे 'द लैंसेट' और 'ब्रिटिश मेडिकल जर्नल' में छापे। कुछ साल बाद, स्वतंत्र वैज्ञानिकों ने इन क्लिनिकल ट्रायल डेटा की सच्चाई पर सवाल उठाए। जब उनसे रॉ डेटा (मूल डेटा) उपलब्ध कराने के लिए कहा गया, तो सिंह ने दावा किया कि दीमक फाइलें चट कर गई हैं! दरअसल, धारणा को सही साबित करने के ऐसे तरीकों में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। यह अतार्किक है कि प्राचीन ग्रंथों में बताए गए प्राकृतिक इलाजों के लिए टॉक्सिसिटी टेस्ट (विषैलेपन की जांच) की ज़रूरत नहीं है। पौधों और जड़ी-बूटियों में मिट्टी में मौजूद भारी धातुएं और दूसरी अशुद्धियां हो सकती हैं, जिनसे लिवर या किडनी को नुकसान पहुंच सकता है। पौधे में मौजूद सक्रिय तत्वों की जैव-उपलब्धता अलग-अलग होती है; यह इस बात पर निर्भर करती है कि उसे किन हालात में उगाया गया है। गाय के मूत्र के मामले में, भारतीय पशु अनुसंधान संस्थान के एक अध्ययन में यह नतीजा निकला है कि यह इंसानों के पीने लायक नहीं है, क्योंकि इसमें हानिकारक जीवाणु होते हैं।

चीन ने पारंपरिक चिकित्सा के लिए धार्मिक या विचारधारा-आधारित मान्यता को पुष्ट करने के बजाय विज्ञान-आधारित खोज का तरीका अपनाया है। आर्टेमिसिनिन की खोज इसका एक अच्छा उदाहरण है; यह एक मलेरिया-रोधी दवा है, जिसके लिए चीनी वैज्ञानिक तू यूयू को 2015 में चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला था। इस काम में, पुराने ग्रंथों में बताई गई बातों को आलोचना से परे सत्य मानने के बजाय, उन्हें सुराग की तरह इस्तेमाल किया गया और 400 से ज़्यादा पौधों की जांच की गई। तत्व विशेष को अलग कर, उसे दवा के रूप में विकसित करने से पहले लगभग आधी सदी तक कड़े प्रयोग किए गए। इस खोज को पुराने ग्रंथों में लिखी बातों की पुष्टि के तौर पर नहीं, बल्कि समय-सिद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया के सबूत के तौर पर प्रस्तुत किया गया। गोमूत्र और गोबर के बारे में अधूरे दावों का महिमामंडन करने के बजाय, भारतीय शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को छद्म-विज्ञान के खिलाफ लड़ना चाहिए और मिथ्यों को बेनकाब करना चाहिए। विज्ञान के लिए फंड देने वाली एजेंसियों को भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देने के नाम पर संदिग्ध संस्थानों और शोधकर्ताओं के अध्ययनों को प्रायोजित करना बंद करना चाहिए। विज्ञान अकादमियों को शोध में गड़बड़ी करने की बढ़ती प्रवृत्ति की जांच करने के लिए एक तरीका विकसित करने की ज़रूरत है। अगर सरकार कोई कदम नहीं उठाती है, तो अकादमियों को मिलकर शोध की सुचिता सुनिश्चित करने वाला एक स्वतंत्र कार्यालय बनाना चाहिए.

स्वास्थ्य समाचार

सूखी खांसी के लिए रामबाण इलाज हैं यह घरेलू उपाय

मौसम में होने पर अक्सर हम सभी फ्लू का शिकार हो जाते हैं। जिसके कारण खांसी आने लगती है। वहीं कई बार यह खांसी कई दिनों तक हमें परेशान करती है। खांसी को रोकने के लिए कोई सीरप या दवा भी असर नहीं दिखाती है। बहुत ज्यादा खांसी आने पर न तो सही से सो पाते हैं और न ही अन्य काम सही से कर पाते हैं। अगर गीली खांसी आती है तो बलगम बनता है। लेकिन सूखी खांसी में बलगम नहीं बनता है। आमतौर पर फ्लू या सर्दी के बाद सूखी खांसी कई दिनों तक रहती है। इस दौरान बदलते मौसम के कारण कई लोगों को सूखी खांसी परेशान करती है। खांसी के कारण कई बार हमारी नींद भी पूरी नहीं हो पाती है। साथ ही सीने में भी दर्द होने लगता है। ऐसे में अगर आपको भी सूखी खांसी आ रही है और दवाएं असर नहीं दिखा रहीं तो आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। इन घरेलू उपायों की मदद से आप सूखी खांसी से छुटकारा पा सकते हैं।

अदरक और नमक : अगर आप भी सूखी खांसी से परेशान हो गए हैं तो अदरक के छोटे से टुकड़े में नमक लगा कर इसे आप अपने दांतों के नीचे दबा लें। इससे अदरक का रस धीरे-धीरे आपके गले तक पहुंचता है। जिससे सूखी खांसी में आराम मिलता है। 5 से 8 मिनट तक आपको इसी तरह से अदरक के टुकड़े का रस लेते रहना है।

काली मिर्च और शहद : शहद और काली मिर्च के सेवन से भी खांसी से राहत मिलती है। इसके लिए आपको 4 से 5 काली मिर्च लेकर उसका पाउडर बनाना है। इसके बाद इस पाउडर को शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और फिर चटनी की तरह इसका सेवन करें। ऐसा करने से जल्द ही खांसी से राहत मिलेगी। अदरक और शहद दोनों ही सूखी खांसी के लिए फायदेमंद होते हैं। शहद और अदरक में मुलेठी मिलाकर इसका सेवन किए जाने से इम्यूनिटी बढ़ती है। अगर आप खांसी से परेशान हैं तो एक चम्मच शहद में अदरक के रस को मिक्स कर इसका सेवन करें।

गर्म पानी में शहद

आधे गिलास हल्के गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से खांसी में आराम मिलता है। वहीं रोजाना शहद का सेवन किए जाने से सूखी खांसी में राहत मिलती है। रात में गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से गले की खराश दूर होती है।

फंगल इंफेक्शन होने पर आजमाएं यह घरेलू उपाय, दूर होगी खुजली और जलन की समस्या

हम सभी को त्वचा से जुड़ी तरह-तरह की समस्याओं से जूझना पड़ता है। इसमें से एक फंगल इंफेक्शन भी है। खासकर, बारिश के दिनों में फंगल इंफेक्शन के मामले बढ़ने लगते हैं। फंगल इंफेक्शन एक त्वचा संबंधी संक्रमण होता है। यह इंफेक्शन तब होता है, जब कवक यानी फंगस त्वचा के किसी हिस्से पर आक्रमण करते हैं। इसकी वजह से त्वचा पर जलन, खुजली और रेडनेस हो सकती है। यह स्थिति परेशान करने वाली हो सकती है। इसलिए आपको फंगल इंफेक्शन को कभी भी सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। फंगल इंफेक्शन होने पर अक्सर लोग एंटीसेप्टिक क्रीम लगाते हैं। लेकिन आपको बता दें कि कुछ घरेलू उपाय भी फंगल इंफेक्शन को ठीक कर सकते हैं।

टी ट्री ऑयल : फंगल इंफेक्शन होने पर आप टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

टी ट्री ऑयल में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में फंगल इंफेक्शन को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए आप 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल लें। इसमें नारियल का तेल मिलाएं। अब इसे फंगल इंफेक्शन पर लगाएं और आधे घंटे बाद त्वचा को पानी से साफ कर लें। टी ट्री ऑयल इंफेक्शन को कम करने में फायदेमंद हो सकता है। फंगल इंफेक्शन को ठीक करने के लिए आप इसका इस्तेमाल दिन में 2-3 बार कर सकते हैं।

नीम की पत्तियां : अगर आपको बार-बार फंगल इंफेक्शन हो जाता है, तो नीम के पत्तों का उपयोग करना फायदेमंद हो सकता है। नीम की पत्तियां फंगल इंफेक्शन को ठीक कर सकती हैं। साथ ही, फंगल इंफेक्शन से बचाव भी करती हैं। इसके लिए आप नीम की पत्तियां लें और इन्हें पानी में उबाल लें। अब इस पानी से अपने फंगल इंफेक्शन को साफ कर लें। नीम की पत्तियां फंगल इंफेक्शन को ठीक करने का एक बेहतरीन घरेलू उपाय साबित हो सकती हैं। दरअसल, नीम की पत्तियों में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो फंगल इंफेक्शन को मिटाने में मदद करती हैं।

हल्दी : फंगल इंफेक्शन ठीक करने के लिए आप हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप कच्ची हल्दी लें और इसे पीस लें। अब इसे फंगल इंफेक्शन पर लगाएं। आप चाहें तो हल्दी पाउडर में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें।

एलोवेरा

एलोवेरा को सेहत और बालों के साथ ही त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। अगर फंगल इंफेक्शन हो गया है, तो आप एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आप फंगल इंफेक्शन पर एलोवेरा जेल लगाएंगे, तो इससे खुजली और जलन में राहत मिल सकती है।

कमल ककड़ी खाकर घटाएं तेजी से वजन, क्यों है ये फायदेमंद

स्लिम और परफेक्ट फिगर पाना हर लड़की का सपना होता है। वजन घटाने के लिए लड़कियां कई तरह की एक्सरसाइज, रनिंग, योग और डाइट प्लान को भी फॉलो करती हैं। इतना कुछ फॉलो करने के बाद भी अगर किसी को परफेक्ट रिजल्ट न मिले, तो स्ट्रेस बढ़ने लगता है। हालांकि वजन घटाने का टास्क इतना भी मुश्किल नहीं है। अगर आपके मन में भी वेट लॉस करके परफेक्ट फिगर पाने की ख्वाहिश है, तो आप कमल ककड़ी की मदद ले सकते हैं।

कमल ककड़ी में मौजूद पोषक तत्व : कमल ककड़ी के पोषक तत्वों में इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फास्फोरस और आयरन पाया जाता है। इस सब्जी की खास बात यह है कि इसमें कैलोरी बहुत ही कम मात्रा में होती है। कैलोरी कम होने की वजह से कमल ककड़ी वजन घटाने में मदद करती है।

भूख को करती है कंट्रोल : कमल ककड़ी में कैलोरी बहुत कम होती है और यह फाइबर का अच्छा सोर्स है। इन दो गुणों के कारण कमल ककड़ी का सेवन करने से लंबे समय तक भूख का एहसास नहीं होता है। भूख कंट्रोल में रहने से आप एक्स्ट्रा फैट वाले जंक फूड, पैकेट वाले चिप्स और अन्य तरह के स्नैक्स खाने से बच जाते हैं। जाहिर सी बात है

जब आप जंक फूड से दूरी बनाएंगे, तो वजन घटाने में मदद मिलेगी।

मेटाबॉलिज्म को करता है बूस्ट : कमल ककड़ी के पोषक तत्व मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। डाइटिशियन पूजा के मुताबिक, पेट में खाना जाने के बाद वो जितनी जल्दी एनर्जी में बदलता है, शरीर में एक्स्ट्रा फैट जमा होने की संभावना उतनी ही कम होती है। खाने का फैट तेजी से एनर्जी में बदले इसके लिए मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग होना बहुत जरूरी है। साफ है कि जिन लोगों का मेटाबॉलिज्म अच्छा है उनका वजन तेजी से घटता है।

आज का राशिफल

मेष

धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

वृष

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन

शुभ समय। शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

कर्क

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

सिंह

यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

कन्या

थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

तुला

किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक

घर में सुख-शांति रहेगी। उत्साह बना रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। संतान की चिंता रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

धनु

दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मकर

नौकरी में सहकर्मियों का साथ रहेगा। थकान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

कुंभ

कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। सभी ओर से सफलता मिलेगी। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

नामांकन को लेकर एसडीएम कार्यालय पर बढ़ी चहल-पहल

दूसरे दिन 10 प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर नगर पालिका आम चुनाव 2026 को लेकर तारानगर शहर में शनिवार को नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन चुनावी सरगर्मियां तेज हो गईं। पहले दिन कोई नामांकन दाखिल नहीं होने के बाद अब अलग-अलग वार्डों से कुल 10 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। निर्वाचन अधिकारी प्रियंका कड़ेला ने बताया कि शनिवार को वार्ड संख्या 12 से शबाना बानो ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। वार्ड संख्या 13 से अदरीश ने निर्दलीय तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। वार्ड संख्या 15 से संतोष ने निर्दलीय, वार्ड संख्या 17 से महबूबा अली ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया। इसी प्रकार वार्ड संख्या 18 से सरोज और सोनू ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। वार्ड संख्या 20 से सेदूराम ने निर्दलीय, वार्ड संख्या 31 से साजिद खान ने निर्दलीय तथा वार्ड संख्या 32 से लियाकत अली ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन एसडीएम कार्यालय एवं संबंधित नामांकन केंद्रों के बाहर प्रत्याशियों के समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की भीड़ नजर आई। प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। नगर पालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा की ओर से अभी तक आधिकारिक वार्डवार प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की गई है। ऐसे में शनिवार को कई प्रत्याशियों के निर्दलीय रूप से नामांकन दाखिल करने के बाद चुनावी समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 30 अगस्त रविवार को राजकीय अवकाश होने के कारण नामांकन प्रक्रिया स्थगित रहेगी। अब शेष बचे प्रत्याशी 31 अगस्त सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन की अंतिम तारीख नजदीक आने के साथ ही तारानगर में चुनावी माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन बड़ी संख्या में प्रत्याशियों के मैदान में उतरने की संभावना है। इसके बाद ही 35 वार्डों में चुनावी मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट होगी।

खेलो इंडिया वुशु वुमेंस लीग में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

निसं

तारानगर (नवयत्न)। खेलो इंडिया वुशु वुमेंस लीग का आयोजन शनिवार को जी.आर.एन. टैगोर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तारानगर में हुआ। प्रतियोगिता में महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का दमखम दिखाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गंगानाथ महाराज रहे। स्कूल के चेयरमैन बलबीर सहारण, डायरेक्टर रामनारायण एवं प्रधानाचार्य नंदलाल सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सभी अतिथियों का स्वागत डायरेक्टर राम नारायण सहारण ने किया, जबकि मंच संचालन रत्ना जांगिड़ ने किया। इस अवसर पर स्टार स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष सुशील दाधीच एवं सचिव चिंकित शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और राज्य, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर देते हैं। इस प्रतियोगिता में स्टार स्पोर्ट्स एकेडमी ने प्रथम स्थान, जीआरएन टैगोर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने द्वितीय स्थान तथा एमएसजी हाईटेक गुरुकुल ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

84 प्रत्याशियों ने 106 फार्म दाखिल किए

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। नगर पालिका आम चुनाव 2026 के तहत नामांकनों के दौर में चुनावी सरगर्मियाँ तेज हो गई हैं। ?नामांकन प्रक्रिया का दूसरा दिन 84 प्रत्याशियों ने 106 फार्म दाखिल किया। नगर पालिका चुनाव के लिए विभिन्न दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों की ओर से कुल 106 नामांकन निर्देशन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन करने वालों में भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समर्थित साथ-साथ कई निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल रहे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 30 अगस्त रविवार को राजकीय अवकाश होने के कारण नामांकन प्रक्रिया स्थगित रहेगी।

सोमवार को आखिरी दिन

शेष बचे प्रत्याशी अब 31 अगस्त को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन प्रक्रिया के दौरान उपखंड कार्यालय और संबंधित केंद्रों के बाहर विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों का भारी हुजूम देखा गया। लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर प्रत्याशियों के समर्थकों उत्साह बना हुआ। वहीं अभी तक शहर के 45 वार्डों में भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी की सूची जारी नहीं होने चुनाव लड़ने वाले बैचेन नजर आ रहे हैं। वार्डों में में एक से अधिक दावेदार होने से खिंचतान जारी है।

आज निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। अमर शहीद सुवालाल यादव की शहादत को नमन करते हुए तिरंगे के सम्मान में एकजुट होकर खटकड़ अजमेरी की जनता द्वारा रविवार को प्रात: 7 बजे भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। जो अजमेरी चौक, सामोता की ढ़ाणी, पीलिका मंदिर, खटकड़ स्टैण्ड, खटकड़ पंचायत होती हुई शहीद स्मारक तक पहुंचेगी। ओमप्रकाश दांतला ने बताया कि शहीद स्मारक पर शहीदों की शहादत को नमन करते हुए पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी जाएगी।

निकाय चुनाव में कांग्रेस का जिताऊ-टिकाऊ फॉर्मूला

डोटासरा बोले-युवाओं को देंगे मौका

90 फीसदी सीटों पर प्रत्याशी तय, भाजपा छोड़ कांग्रेस में आए राकेश भाटी ने थामा कांग्रेस का हाथ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी के बीच कांग्रेस ने भाजपा और केंद्र सरकार पर आरक्षण के मुद्दे को लेकर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार को कांग्रेस वॉर रूम में मीडिया से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार गरीबों, पिछड़ों और दलितों को मिले आरक्षण को खत्म करने की दिशा में साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि आरक्षण वंचित और पिछड़े वर्गों का संवैधानिक अधिकार है और इसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ स्वीकार नहीं की जाएगी। डोटासरा ने कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा ईडब्ल्यूएस के साथ दलित, पिछड़े और गरीब वर्गों को मिले आरक्षण को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि आरक्षण खत्म करने की मुहिम आगे बढ़ी तो कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और सड़क पर उतरकर विरोध करेगी। उन्होंने जनता से भी इस मुद्दे पर सतर्क रहने की अपील की।

आंदोलनों को लेकर भी भाजपा पर निशाना

डोटासरा ने आरोप लगाया कि पेपर लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हजारों युवा दिल्ली के जंतर-मंतर पर 35 दिनों तक धरने पर बैठे रहे, लेकिन सरकार ने उनसे बातचीत नहीं की। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल पर बैठने का भी उल्लेख किया। डोटासरा का आरोप था, कि आंदोलन कर रहे युवाओं पर लाठी, गोली और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जबकि भाजपा से जुड़े कुछ लोगों के जंतर.मंतर पर बैठने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा उनसे बातचीत करने पहुंच गए। डोटासरा ने भाजपा के आरक्षण संबंधी रुख को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि दलित, पिछड़े और गरीब वर्गों को मिलने वाले आरक्षण पर किसी भी तरह का खतरा लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए गंभीर विषय होगा।

धर्म-जाति का एजेंडा कमजोर होने का दावा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा का धर्म और जाति का एजेंडा अब कमजोर पड़ रहा है। उन्होंने ईडी और सीबीआई के इस्तेमाल को लेकर भी केंद्र सरकार पर आरोप लगाए। डोटासरा ने कहा कि परिसीमन को लेकर भी केंद्र सरकार जल्दबाजी में है, लेकिन उसके कई राजनीतिक एजेंडे सफल नहीं हो रहे हैं और जनता अब सब समझ चुकी है।

90 फीसदी विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी तय

निकाय चुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर डोटासरा ने कहा कि सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के समन्वयकों को बैठकें करने के लिए भेजा गया था। समन्वयकों ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। करीब 90 फीसदी विधानसभा क्षेत्रों में विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों, सांसदों और अन्य वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शेष सीटों पर भी जल्द सहमति बनाई जाएगी। जिन विधानसभा क्षेत्रों में टिकट को लेकर विवाद है, वहां वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर समाधान निकाला जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र सिंह, हरीश चौधरी और सीपी जोशी सहित वरिष्ठ नेताओं से भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

युवाओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता

डोटासरा ने कहा कि निकाय चुनाव में कांग्रेस युवाओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देगी। युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई सहित पार्टी के विभिन्न विभागों और प्रकोष्ठों से कई नाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जनता के बीच सक्रिय और संगठन के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अवसर दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि टिकट का आधार

जिताऊ और टिकाऊ चेहरा होगा। केवल सिफारिश के आधार पर टिकट नहीं दिया जाएगा, बल्कि प्रत्याशी की जनता के बीच पकड़ और चुनाव जीतने की क्षमता को भी देखा जाएगा। डोटासरा ने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है और इस बार निकाय चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

जूली ने जयपुर की व्यवस्थाओं पर उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और जयपुर की बुनियादी सुविधाओं को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बच्चे और युवा अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें नजरअंदाज कर रही है। जयपुर की व्यवस्थाओं पर जूली ने कहा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद शहर के कई हिस्सों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। सफाई व्यवस्था, सड़कों, सीवर और जलभराव को लेकर उन्होंने सरकार और नगर निगम पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि थोड़ी बारिश में ही शहर में जलभराव, यातायात जाम और सीवर लाइन चोक होने जैसी स्थिति सामने आ जाती है। जूली ने दावा किया कि आगामी चुनाव में जयपुर नगर निगम में कांग्रेस का बोर्ड बनेगा।

पाली में भाजपा को झटका, राकेश भाटी कांग्रेस में शामिल

इधर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के गृह जिले पाली में पार्टी को झटका लगा है। पाली नगर परिषद के पांच बार पार्षद रहे राकेश भाटी शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस वॉर रूम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। राकेश भाटी पाली नगर परिषद में पार्षद रहने के अलावा उपसभापति और सभापति भी रह चुके हैं। वे पाली भाजपा के जिला महामंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। उनकी पत्नी रेखा भाटी पाली नगर परिषद की निवर्तमान सभापति रही हैं। निकाय चुनाव से ठीक पहले उनके कांग्रेस में शामिल होने को पाली में भाजपा के लिए राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

संदीप ने जीता 1600 मीटर में गोल्ड मेडल

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। कस्बे के बालाजी सैन्य नि:शुल्क प्रशिक्षण संस्था खेलगांव डेरावाली श्रीमाधोपुर में आयोजित वॉलीबाल एवं एथेलेटिक्स प्रतियोगिता के 10 वें संस्करण का आयोजन किया गया। कोच बिरजू सिंह सामोता ने बताया कि दौड़ प्रतियोगिता में 1600 मीटर में प्रथम स्थान समय 4 मिनट 24 सेकेंड में संदीप पलसाना, दूसरा स्थान संजय सैनी खेलगांव व तीसरे स्थान पर लोकेश सैनी चौमूं रहे जिनको मेडल नकद इनाम क्रमश: 2100, 1100 और 500 रूपये देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक योगेश शर्मा व महावीर गोदारा ने बताया कि 800 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान अभिजीत मीणा नीमकाथाना, दूसरा स्थान अमित गुर्जर गुढ़ा और तीसरी स्थान पर अभिषेक वर्मा खेलगांव रहे। इनको सम्मानित राशि में मेडल देकर सम्मानित किया गया और

इसी प्रकार बालिकाओं के दौड़ वर्ग 400 मीटर में प्रथम स्थान दीपिका वर्मा चौमूं दूसरे स्थान पर, संगीता सैनी खेलगांव और तीसरे स्थान पर पलक मीणा खेलगांव रही। इनको भी संस्था द्वारा सम्मानित राशि में मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा नेता श्याम चौधरी श्रीमाधोपुर के द्वारा किया गया। साथ में कोच बिरजू सिंह सामोता, संस्था अध्यक्ष मुरलीधर सामोता, चौथमल सामोता, अनिल पीटीआई, दिनेश जाखड़, डॉ अंकित जाखड़, बनवारी लाल सामोता, आशीष सामोता, अनूप चौधरी, सुरेश रोलानिया, आलोक बराला, विनोद जाखड़, हिम्मत सिंह राठौड़, जेपी यादव, विजय, संदीप महिपाल, भवानी सिंह आदि उपस्थित रहे। वॉलीबॉल का उद्घाटन मैच करौली सेकंड बनाम श्याम सरकार खाटू के मध्य खेला गया जिसमें करौली सेकंड विजेता रही। दूसरा मैच खेलगांव सेकंड बनाम सीमारला के मध्य सुचारू है। वॉलीबॉल विजेता टीम को 31000, उप विजेता टीम को 21000 ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। बालाजी स्टेडियम खेलगांव को स्व. दिनेश सामोता राज. पुलिस पुण्य स्मृति में शीतल पेयजल हेतु वाटर कूलर परिवार के सदस्य चौथमल सामोता, डॉ कविंदर सामोता, आशिष सामोता राजस्थान पुलिस ने सप्रेम भेंट किया।

बाइक चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। माणक चौक थाना पुलिस ने धार्मिक और व्यस्त इलाकों से दुपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पूछताछ में आरोपी ने जयपुर शहर के अलावा रींगस, चौमू, दूदू और टोंक में आधा दर्जन से अधिक बाइक चोरी की वारदातें कबूल की हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि माणक चौक थाना पुलिस ने धार्मिक और व्यस्त इलाकों से दुपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर चोर वीरेंद्र गुर्जर उर्फरवि सोलंकी 25 निवासी बसवा जिला दौसा को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफखाटूश्यामजी थानाए सीकर में चोरी के भी मामला दर्ज है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया और उसकी निशानदेही पर दो बाइक बरामद कीं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बसवा, दौसा का रहने वाला है और रोजगार की तलाश में जयपुर आया था। नशे की लत और आर्थिक तंगी के चलते वह सुनसान स्थानों पर खड़ी बाइक चोरी कर राहगीरों को सस्ते दामों में बेच देता था। आरोपी ने सांगानेरी गेट के बाहर से एक बाइक, सिंधी कैंप बस स्टैंड के पास से स्प्लेंडर प्लस, चौमूं से एक बाइक, दूदू से एचएफडीलक्स, रेलवे स्टेशन रींगस से एचएफडीलक्स और कोथून, टोंक से एक बाइक चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस इन वाहनों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक चोरी की दो बाइक बेचने की फिराक में घूम रहा है। जिस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए आरोपित विरेन्द्र गुर्जर उर्फरवि सोलंकी को धरकृदबोचा। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल हरेन्द्र, कांस्टेबल कैलाश चंद और विक्रम की भूमिका रही। आरोपी को पकड़ने और बाइक बरामद करने में कांस्टेबल कैलाश चंद की विशेष भूमिका बताई गई है।

श्रीराधा गिरधर लाल की भव्य शोभायात्रा आज

जयपुर (नवयत्न)। श्री राधा गिरधर लाल के श्री वृंदावन में संपन्न हुए विवाह के उपरांत रविवार शाम 6 बजे राजधानी जयपुर के ऐतिहासिक जलेब चौक गोविंद देवजी मंदिर के पास से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा श्री शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के पावन सान्निध्य में पूरे गाजे-बाजे और लवाजमे के साथ रवाना होगी। शोभायात्रा के दौरान प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय स्वयं ठाकुर श्री गिरधर लाल जी को सुसज्जित रथ में विराजमान कराकर आगे बढ़ेंगे। शोभायात्रा रविवार शाम 6 बजे जलेब चौक से रवाना होकर चांदी की टकसाल, सुभाष चौक होते हुए पानो के दरीबा स्थित श्री सरस निकुंज पहुंचेगी। श्री सरस निकुंज पहुंचने पर श्री सरस परिकर द्वारा ठाकुर का भावभीना स्वागत किया जाएगा।

क्विज में दिखा बच्चों का जोश और हुनर : निखत जरीन टीम ने मारी बाजी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। एमईएएम यंग सिटीजन ऑफ इंडिया के सीजन-3 के तहत इंद्रा कॉलोनी स्थित एडवे सेकेंड्री स्कूल में क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में सात टीमों- टीपू सुल्तान, शेर-ए-मैसूर, एपीजे अब्दुल कलाम, निखत जरीन, सुरैया बी, फातिमा शेख और जीनत महल ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ सवालों के जवाब दिए। प्रतियोगिता में निखत जरीन टीम प्रथम, फातिमा शेख टीम द्वितीय और टीपू सुल्तान टीम तृतीय रही। विजेता टीमों को उपहार एवं प्रमाण-पत्र, जबकि अन्य प्रतिभागियों को भी प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। एमईएएम की महासचिव सारा

इस्माईल ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल सवाल-जवाब तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और ज्ञान को निखारना भी है। उन्होंने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ विद्यार्थियों को अपने पूर्वजों के इतिहास और समाज के प्रति जिम्मेदारियों की जानकारी भी होनी चाहिए। शिक्षा, मेहनत और आत्मविश्वास से ही जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है। स्कूल निदेशक फैसल उस्मानी ने प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को सीखने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आयोजन में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तीन हजार किलोमीटर पीछा कर अपहरणकर्ता को दबोचा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए के इनामी अपहरणकर्ता को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बिहार से अपहृत नाबालिग को भी सकुशल दस्तयाब कर लिया। आरोपी की तलाश में पुलिस टीम ने पांच दिनों में करीब 3 हजार किलोमीटर का सफर तय कर छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार में पीछा किया। मामला राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से भी जुड़ा हुआ था। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि परिवादिया की शिकायत पर 15 मई 2026 को उसकी नाबालिग बेटी के अपहरण का मामला मुहाना थाने में दर्ज हुआ था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित यादव को गिरफ्तार कर नाबालिग को पटना, बिहार से बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया था। इसके बाद रोहित यादव ने इंस्टाग्राम के जरिए नाबालिग से दोबारा संपर्क किया। उसे डराने-धमकाने के बाद 19 जून को फिर से अपहरण कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए और राजस्थान हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लंबित होने के कारण आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। इसके बाद मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार खरडिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। जहां पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी अनुसंधान और सूचना तंत्र को सक्रिय करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम लगातार पांच दिनों तक विभिन्न राज्यों में आरोपी का पीछा करती रही। करीब 3 हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद पुलिस ने आरोपी रोहित राय उर्फ रोहित यादव पुत्र जनार्दन राय, निवासी ग्राम डोगाहा, थाना दरियापुर, जिला सारण, बिहार को छत्तीसगढ़ में डिटेन किया। पूछताछ और उसकी निशानदेही के आधार पर टीम बिहार पहुंची और वहां से नाबालिग को सकुशल दस्तयाब कर लिया।

200 पुलिसकर्मियों ने लिया युवा एवं खेल भावना जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पुलिस लाइन आयुक्तालय जयपुर में शनिवार को युवा एवं खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त सरोज धायल ने बताया कि कार्यक्रम में करीब 200 पुलिसकर्मियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा। विशेष सत्रों में खेलों के महत्व, शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली को लेकर जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमित खेल गतिविधियां शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में भी सहायक हैं। आयोजन में पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अपनी सुविधा से शब्दों के चयन की होड़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर देश को संबोधित करते हुए माओवाद की चर्चा में हथियारबंद माओवादियों के खात्मे में मिली सफलता का उल्लेख करते हुए कहा, हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में है। वे हिंसा-अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। समाज को गलत राह पर घसीटने के लिए भांति-भांति के दांव चल रहे हैं।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में 'माओवाद' हिंसा का पर्याय है, पर 'माओवाद' को केवल हथियारों की भाषा में समझना उसके व्यापक स्वरूप को सीमित करता है। उसकी चुनौती केवल बंदूक तक सीमित नहीं, बल्कि उस सोच तक भी जाती है, जो विचारों के स्तर पर समाज को आघात करने का प्रयास करती है।

प्रधानमंत्री ने 'दिमागी नक्सल' उसी मानसिकता की ओर संकेत करते हुए कहा, जो हथियारों के बजाय विचारों के जरिये समाज को प्रभावित करने और उसे गलत दिशा में ले जाने का प्रयास करती है। प्रधानमंत्री ने जिस मानसिकता की पहचान करने की बात कही, उसे उसके संदर्भ से अलग करके देखने और उसका अर्थ अपनी पूर्व धारणा के अनुरूप तय करने की कोशिश शुरू हो गई। किसी बात को समग्रता में समझने के बजाय उसके चुने हुए अंश से अपने अनुकूल निष्कर्ष निकाल लेना इस प्रवृत्ति का हिस्सा है। एक विशिष्ट प्रसंग की बात के किसी एक शब्द को चुनकर उसे व्यापक अर्थ दे देना न केवल उस कथन के मूल आशय के साथ न्याय नहीं करता, बल्कि यह भी दिखाता है कि अपनी सुविधा के अनुसार शब्दों का चुनाव और उनकी व्याख्या किस तरह एक अलग धारणा निर्मित कर सकती है। इसमें संदेह नहीं कि इस प्रसंग में शब्दों का चयन और संदर्भ की अनदेखी अपने प्रयोजन के अनुरूप की गई।

जो बात अपने लाभ और उद्देश्य के अनुकूल थी, उसे सामने रखा गया और जो उस उद्देश्य में बाधक हो सकती थी, उसे पीछे छोड़ दिया गया। अफसोस यह है कि शब्दों का ऐसा मकड़जाल रचा गया, जिसमें लोग उलझते चले गए और उसी को पूरा सत्य मानते रहे।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अपने तात्कालिक लाभ के लिए, चर्चा या प्रसिद्धि प्राप्त करने की आकांक्षा अथवा किसी व्यक्ति या संस्था, यहां तक कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और उसके नेतृत्व की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसी प्रवृत्तियों का सहारा लिया जाता रहा है, लेकिन चिंता केवल इतनी नहीं है कि किसी घटना का एक पक्ष चुनकर प्रस्तुत किया गया। वास्तविक चिंता यह है कि जब यही प्रक्रिया लगातार दोहराई जाती है तो धीरे-धीरे व्यक्ति की अपनी विवेक-बुद्धि भी उन्हीं चुने हुए अंशों और उनसे निर्मित धारणाओं के बीच काम करने लगती है।

वह स्वयं तथ्य और व्याख्या, संदर्भ और निष्कर्ष तथा वास्तविकता और निर्मित धारणा के बीच अंतर करना छोड़ देता है। यहीं से भीड़तंत्र केवल सड़कों या समाज में नहीं, व्यक्ति के अपने भीतर भी आकार लेने लगता है-जहां वह स्वयं सोचने के बजाय पहले से निर्मित धारणाओं के साथ चलने लगता है और शायद सिलेक्टिव नैरेटिव (चयनात्मक प्रस्तुति) की सबसे गंभीर सफलता यही है कि वह व्यक्ति को यह अहसास भी नहीं होने देता कि उसका सोच कब उसका अपना नहीं रह गया।

शब्दों को अपने अनुकूल अर्थ देना, वाक्यों को संदर्भ से काटना और आधे सत्य को पूरा सत्य बनाकर प्रस्तुत करना कोई नई कला नहीं है, लेकिन तब किसी बात को समाज की सामूहिक चेतना तक पहुंचने में समय लगता था। आज सूचना की रफ्तार इतनी तेज है कि किसी चुने हुए शब्द, वाक्य या दृश्य को उसके सत्य और संदर्भ की जांच से पहले ही हजारों-लाखों बार दोहराया जा सकता है। जो बात बार-बार सामने आती है, वह धीरे-धीरे केवल सुनी हुई बात नहीं रहती, बल्कि वह हमारी समझ का हिस्सा बनने लगती है। यहां सवाल उठता है कि हम किसी ऐसी बात को इतनी आसानी से स्वीकार क्यों कर लेते हैं, जिसे हमने स्वयं कभी जांचा ही नहीं? दरअसल हम जो बार-बार सुनते हैं, उसे ही कई बार पर्याप्त ज्ञान मान लेते हैं। हमारी यही कमजोरी उन लोगों के लिए सबसे बड़ा अवसर बन जाती है, जो किसी उद्देश्य से आख्यान गढ़ते हैं। उन्हें मालूम है कि मूल स्रोत तक जाकर सत्य को जानने वालों की संख्या निरंतर कम होती जा रही है। ऐसे में, किसी बात को एक खास रूप में बार-बार परोस देना ही पर्याप्त है। धीरे-धीरे वही परोसी हुई बात सत्य की जगह लेने लगती है। निकोलस कैर अपनी पुस्तक द शैलोज में बताते हैं कि सूचना तक हमारी पहुंच जितनी आसान और तेज हुई है, उतना ही यह खतरा भी बढ़ा है कि हम किसी बात पर ठहरकर विचार करने के बजाय एक सूचना से दूसरी सूचना की ओर बढ़ते रहें। हमें ऐसे वैचारिक और सामाजिक परिवेश की आवश्यकता है, जहां झूठे आख्यान गढ़ने वालों को आईना दिखाया जा सके, लेकिन केवल असत्य को पहचान लेना पर्याप्त नहीं होगा।

उसके प्रभाव को तोड़ने के लिए हमें ऐसा सशक्त बौद्धिक और सामाजिक परिवेश विकसित करना होगा, जहां तथ्य, तर्क और प्रमाण के आधार पर सत्य को मजबूती से सामने रखा जा सके। नकारात्मकता का उत्तर केवल नकारात्मकता से नहीं, बल्कि एक ऐसे सुदृढ़ वैचारिक तंत्र से दिया जा सकता है, जो सत्य को उसके पूरे संदर्भ और प्रमाण के साथ समाज तक पहुंचाए।

सुविधाओं के शहरों में घटती इंसानी जगह

एक अच्छे व्यवस्थित शहर की परख इस बात से होनी चाहिए कि क्या कोई बच्चा सुरक्षित रूप से स्कूल जा सकता है, क्या कोई बुजुर्ग सड़क पर उतरे बिना बाज़ार पहुंच सकता है, क्या व्हीलचेयर इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति बस स्टॉप तक पहुंच सकता है?

बढ़ता शहरीकरण सुविधाओं के लिहाज़ से बेहतर तो लगता है, लेकिन इसकी एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। बुजुर्गों के टहलने, बच्चों के खेलने, दिव्यांगजनों के बाधामुक्त आवागमन और महिलाओं व आम नागरिकों के लिए पैदल चलने, घूमने व बैठने की जगहें उत्तरोत्तर सिकुड़ती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, आए दिन बढ़ती दुर्घटनाओं और बीमारियों ने लोगों को अपने घरों तक सीमित रहने पर मजबूर कर दिया है। आज बच्चे खुले मैदानों में खेलने के बजाय मोबाइल गेम्स की तरफ़ उन्मुख हैं और महिलाएं स्क्रीन पर रील्स देखने में व्यस्त हो गई हैं। मोहल्ले की वे सड़कें, जो कभी बच्चों की किलकारियों, औरतों की बैठकों और बुजुर्गों की सांध्य-आवाजाही से गुलज़ार रहती थीं, आज मोटर वाहनों की चिल्ल-पों और अंधाधुंध दौड़-भाग से भयाक्रांत हो चुकी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 19 जून, 2026 के अपने फ़ैसले में कहा कि 'तय फुटपाथों पर चलने का अधिकार एक बुनियादी अधिकार है', जो संविधान के अनुच्छेद 19(1)(द) के आने-जाने और जीवन की आज़ादी की संवैधानिक गारंटी से आता है। अत: 'पैदल चलने वालों के लिए ख़ास तौर पर दी गई जगह पर ट्रैफ़िक के बजाय पैदल यात्रियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।' कोर्ट ने जहां एक ओर सुरक्षित फुटपाथ देने और उन्हें बनाए रखने की सरकारी अधिकारियों की ज़िम्मेदारी निर्धारित की, वहीं दूसरी ओर उन्हें चलने योग्य, सुरक्षित व बाधामुक्त बनाने पर भी ज़ोर दिया।

यह फैसला शहरी नियोजन की इस बुनियादी सोच को चुनौती देता है कि सड़कें मुख्यत: गाड़ियों के लिए होती हैं। साथ ही पैदल चलने वालों को यातायात में बाधा की तरह देखा जाता है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, 2024 में 36,526 पैदल चलने वालों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई, जो सड़क पर होने वाली कुल मौतों का 20.6 प्रतिशत है। इस तरह, हादसों से मरने वाले हर पांच में से एक व्यक्ति पैदल चलने वाला होता है। अक्सर हम टूटे हुए फुटपाथ, पार्क की गई कारों, फुटपाथ पर चलती मोटरसाइकिलों, रोज़ी-रोटी कमाने की जद्दोजहद करने वाले रेहड़ी या खोमचे वालों, बिना ढके नालों और रास्ते के बीच में लगे बिजली के खंभों से दो-चार होते हैं, जिनसे फुटपाथ का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाता है।

विदेशों में पैदल पथ, उनके दोनों ओर की हरित पट्टिकाएं, खेलते बच्चे और मज़े करते लोग शहर की ख़ूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यूरोपीय देशों में सड़कों को कारों की स्पीड के बजाय लोगों के हिसाब से डिज़ाइन किया जाता है। सुरक्षित पैदल चलने और साइकिल चलाने के नेटवर्क, ट्रैफ़िक-शांत पड़ोस और पैदल चलने वालों के लिए बने टाउन सेंटर ने सक्रिय आवाजाही को शहरी जीवन का एक ज़रूरी हिस्सा बना दिया है।

पेरिस का '15-मिनट का शहर' सिद्धांत ज़रूरी सेवाओं को पैदल या साइकिल की दूरी पर रखने की कोशिश करता है। शहर ने साइकिल चलाने के बुनियादी ढांचे को काफ़ी बढ़ाया है और सैकड़ों पैदल चलने वाली स्कूल सड़कें बनाई हैं। इसका मक़सद गाड़ियों पर निर्भरता कम करना, हवा की गुणवत्ता सुधारना और रोज़ाना की शारीरिक गतिविधियों को शहरी जीवन का हिस्सा बनाना भी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुरक्षित पैदल चलने, शारीरिक सक्रियता, साफ़ हवा और सड़क सुरक्षा को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। अगर दुनिया की आबादी ज़्यादा शारीरिक रूप से सक्रिय हो, तो हर साल 4 से 5 मिलियन मौतों को रोका जा सकता है। इसलिए, सुरक्षित पैदल चलने की सहूलियत रोगों से बचाव का एक माध्यम बन जाती है। इससे ऊर्जा भी बचती है, ख़र्चा भी बचता है, प्रदूषण भी नहीं होता और सड़क पर जाम भी नहीं लगता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस की पहल पर बैंगलोर में चर्च स्ट्रीट पर एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत नवंबर 2020 और अप्रैल 2021 के बीच सप्ताहांत में 750 मीटर के हिस्से को मोटर गाड़ियों के लिए बंद कर दिया गया और इसके नतीजे चौंकाने वाले थे। पायलट प्रोजेक्ट के दौरान, आसपास के दुकानदारों का व्यवसाय बढ़ने के साथ-साथ हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ ही, पैदल चलने वालों की संख्या में औसतन 92 से 117 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। लोगों ने वाहनों के बजाय पैदल चलना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना शुरू किया। चर्च स्ट्रीट की सफलता यह बताती है कि जब लोगों को सुरक्षित और आकर्षक सार्वजनिक जगह मिलती है, तो वे उसका इस्तेमाल करते हैं।

शहर में वेंडिंग ज़ोन और पार्किंग स्थल नियत होने चाहिए, ताकि फुटपाथ पूरी तरह पैदल चलने वालों के लिए बचे रहें। यूटिलिटी पोल, ट्रांसफ़ॉर्मर और दूसरे बुनियादी ढांचे से फुटपाथ पर रुकावट नहीं आनी चाहिए। एक अच्छे व्यवस्थित शहर की परख इस बात से होनी चाहिए कि क्या कोई बच्चा सुरक्षित रूप से स्कूल जा सकता है, क्या कोई बुजुर्ग सड़क पर उतरे बिना बाज़ार पहुंच सकता है, क्या व्हीलचेयर इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति बस स्टॉप तक पहुंच सकता है?

नीतिगत निर्णयों में बढ़े युवाओं की भागीदारी

आज का युवा कल का प्रौढ़ और भविष्य का वृद्ध है। उसे अपने वर्तमान और भविष्य हेतु नीतिगत निर्णयन में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। युवा समाज का विशाल और शक्तिशाली भाग है। शक्ति सदैव अपना मार्ग स्वयं ढूंढ़ लेती है। यदि शक्ति को समुचित मार्ग न मिला, तो वह विध्वंसकारी हो सकती है, भले ही समाज या देश को उसकी भारी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। कुछ समय से देश में छात्रों और युवाओं के प्रदर्शनों की बाढ़ आई हुई है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर हुए उच्छृंखल, अश्लील और हिंसक प्रदर्शन भले ही प्रायोजित थे, लेकिन उसमें अनेक मासूम छात्रों और युवाओं ने भाग लिया। उसके विपरीत रांची का अहिंसक छात्र आंदोलन एक प्रतिमान रहेगा। इन दोनों आंदोलनों की गूंज छोटे-छोटे शहरों में भी दिखी, पर युवा समझते हैं कि किसी मंत्री के इस्तीफा देने मात्र से उनकी मूल-समस्या का समाधान होने वाला नहीं। खोट व्यवस्था में है, अत: समाधान सत्ता परिवर्तन में नहीं, व्यवस्था परिवर्तन में है, पर व्यवस्था परिवर्तन होगा कैसे?

कोई भी सरकार आए-जाए, लेकिन मंत्रियों, सांसदों और विधायकों की भ्रष्टाचार में संलिप्तता, सरकारी कार्यालयों और पुलिस में खुलेआम रिश्वतखोरी, भाई-भतीजावाद और जातिवाद बेलगाम रहते हैं। जो पार्टी सत्ता में आती है, वह कोई ऐसा सिस्टम नहीं बनाती जिससे निष्पक्ष, न्यायसंगत और पारदर्शी निर्णय हो सके। सभी पार्टियां जनहित के मुखौटे ओढ़ स्वहित साधती हैं। छात्रों और युवाओं की घुटन और आक्रोश का मूल कारण यही है। देश ने युवाओं-छात्रों के अनेक आंदोलन देखे हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असहयोग आंदोलन(1920), सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) या भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में युवाओं-छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। लक्ष्य बड़ा था, लेकिन नेतृत्व गांधीजी के परिपक्व हाथों में था। लक्ष्य प्राप्त कर युवा बिखर गए, अपने भविष्य को संरक्षित करने, पढ़ने-लिखने में जुट गए। वे सत्ता और निर्णयन से दूर हो गए।

दूसरा बड़ा छात्र/युवा आंदोलन समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण (जेपी) के नेतृत्व में महंगाई, बेरोजगारी और कुशासन के विरुद्ध बिहार से 1974 में शुरू हुआ, जिसे संपूर्ण क्रांति कहा गया। यह कांग्रेस और इंदिरा गांधी के कुशासन, अधिनायकवाद और संविधान विरोधी गतिविधियों के विरुद्ध था, जिसे कुचलने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में आपातकाल लगा कर विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया, प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी, तमाम युवाओं की नसबंदी कर समाज में अभूतपूर्व डर का माहौल बना दिया। इस आंदोलन से चंद्रशेखर, कृष्णकांत, मोहन धारिया, रामधन आदि नेता निकले।

इस आंदोलन से 1977 में जनता पार्टी सरकार बनी जरूर, पर वैचारिक मतभेद के कारण एकजुट हुई राजनीतिक शक्तियों में बिखराव हो गया और युवा फिर अपनी पढ़ाई की ओर लौट गए। तीसरा युवा-छात्र जन-आंदोलन सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरुद्ध 2011 में हुआ, जिसमें भ्रष्टाचार रोकने हेतु 'लोकपाल' की मांग की गई थी। यह आंदोलन भले ही दिल्ली में हुआ, पर इसने देश के युवाओं में एक अभूतपूर्व चेतना भर दी। दुर्भाग्य से अरविंद केजरीवाल आदि नेताओं ने अन्ना हजारे को किनारे कर आम आदमी पार्टी का गठन किया और दिल्ली में 10 वर्षों से अधिक तक सरकार चलाई, जिसने भ्रष्टाचार के नए-नए प्रतिमान बनाए। युवा फिर ठगे गए। इन तीनों आंदोलनों में नेतृत्व गांधी, जेपी और अन्ना हजारे के हाथों में था, जिनमें सक्रिय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं थी।

काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का तथाकथित जेन-जी आंदोलन विदेश से अचानक प्रकट हुए अभिजीत दीपके द्वारा इंटरनेट मीडिया के माध्यम से चलाया गया। जेन-जी के नाम पर हुआ आंदोलन आंबेडकरजी के विचारों के खिलाफ था, जिन्होंने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में कहा था, अब हमें क्रांति के हिंसक तरीकों को तिलांजलि दे देना चाहिए।

हमें सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह जैसे असंवैधानिक तरीकों को भी त्याग देना चाहिए।...जब समस्याओं के समाधान हेतु संवैधानिक मार्ग उपलब्ध न थे, तब ऐसे असंवैधानिक तौर-तरीकों का औचित्य था, लेकिन जब संवैधानिक तरीके उपलब्ध हों, तो ऐसे असंवैधानिक तरीकों का कोई औचित्य नहीं।% आंबेडकर की सलाह के विरुद्ध विपक्ष ने राजनीतिक लाभ हेतु ऐसे ही आंदोलन का समर्थन किया।

हिमालय के स्वभाव-सीमाओं को सम्मान से ही सुरक्षा

अब हिमालयी क्षेत्रों में आपदा आने के बाद केवल राहत दल भेजना पर्याप्त नहीं है। आज आवश्यकता है—पूर्वानुमान, रोकथाम, चेतावनी, सुरक्षित निकासी और वैज्ञानिक पुनर्निर्माण के एक निरंतर सुरक्षा चक्र की।

हिमालय केवल बर्फ, पत्थरों और ऊंची चोटियों की पर्वत-शृंखला नहीं है। वह दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा, मानसूनी व्यवस्था, जैव-विविधता, कृषि और करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। लेकिन जिस हिमालय को हम स्थिर-अडिग मानते आए हैं, वह भू-गर्भीय दृष्टि से दुनिया की सबसे युवा और सक्रिय पर्वत-शृंखलाओं में है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप ने उसकी स्वाभाविक संवेदनशीलता को गंभीर बना दिया है। अब हिमालयी आपदाएं केवल अतिवृष्टि, बादल फटने या भूकंप तक सीमित नहीं हैं। बर्फ, चट्टान, हिमनद झील, नदी, मलबा और मानव निर्मित ढांचे मिलकर ऐसी बहु-आपदा श्रृंखलाएं पैदा कर रहे हैं, जिनका पूर्वानुमान कठिन और विनाश कई गुना हो सकता है।

26 अगस्त, 2026 को नेपाल के रसुवा ज़िले और तिब्बत-नेपाल सीमा के निकट भोटेकोशी-त्रिशूली नदी क्षेत्र की आपदा इसका नवीनतम उदाहरण है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हिमनद का बड़ा हिस्सा टूटकर करीब 1,200 मीटर नीचे घाटी में गिरा। बर्फ-चट्टानों के विशाल मलबे ने नदी को अस्थायी रूप से रोका। पानी जमा हुआ और अवरोध टूटते ही जल, मलबे और शिलाखंडों की प्रचंड धारा दौड़ पड़ी। आधे घंटे में नदी का जलस्तर नौ मीटर तक बढ़ गया। जलविद्युत परियोजनाएं, सड़कें, पुल व बस्तियां चपेट में आईं। सबसे चिंताजनक संदेश यह है कि विनाशकारी बाढ़ के लिए निचली घाटियों में भारी वर्षा होना आवश्यक नहीं है। हजारों मीटर ऊपर हिमनद या चट्टान टूट सकती है, नदी अवरुद्ध हो सकती है और प्राकृतिक बांध टूटने पर तुरंत नीचे विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है।

पिछले तीन दशकों की घटनाएं इसी खतरे का संकेत करती हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखंड के मालपा में विशाल भूस्खलन ने पूरी बस्ती को नष्ट कर दिया। वर्ष 2000 में तिब्बती क्षेत्र से सतलुज में आई विनाशकारी बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही मचाई। 2005 में पारिचू नदी पर बने प्राकृतिक अवरोध के टूटने से सतलुज घाटी फिर प्रभावित हुई। जून, 2013 की केदारनाथ त्रासदी में असाधारण वर्षा, हिम-पिघलाव, चोराबारी ताल से अचानक निकले पानी और विशाल मलबे ने मंदाकिनी घाटी में भयावह विनाश किया। फरवरी, 2021 की चमोली आपदा ने हिमालयी संकट का एक नया रूप सामने रखा। पता चला कि रोंटी क्षेत्र से विशाल चट्टान-हिमस्खलन हुआ था। करीब ढाई करोड़ घन मीटर चट्टान और बर्फ विनाशकारी मलबा-प्रवाह में बदल गई। ऋषिगंगा-तपोवन जलविद्युत परियोजनाएं चपेट में आईं व 200 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई।

अक्तूबर, 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्होनक हिमनद झील फटने से तीस्ता में आई बाढ़ ने दिखाया कि ऊंचे हिमालय में उत्पन्न संकट नीचे बांधों-पुलों, शहरों व सामरिक ढांचों को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, इन घटनाओं का कारण कहीं अतिवृष्टि, कहीं हिमनद झील, कहीं चट्टान-हिम स्खलन और प्राकृतिक बांध का टूटना है। एक प्राकृतिक संकट दूसरे संकट को जन्म देता है। यही हिमालय की नई बहु-आपदा चुनौती है। दरअसल, भू-गर्भीय संरचना के चलते भारतीय भू-पट्टिका आज भी यूरेशियाई भू-पट्टिका की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार दोनों के बीच सापेक्ष टकराव करीब 40-50 मिलीमीटर प्रतिवर्ष है। इसी दबाव से हिमालय जन्मा, यही उसे अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र भी बनाता है। हिमालय में तीखी ढलानें, दरारों वाली चट्टानें, पुराने भूस्खलन क्षेत्र और तीव्र कटाव स्वाभाविक हैं। अत: यहां निर्माण व आबादी बढ़ाने से पहले कहीं अधिक सावधानी आवश्यक है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ते तापमान से हिमनद सिकुड़ रहे हैं। फलत: नई झीलें बनी और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इसरो ने 1984 से 2023 के उपग्रह चित्रों के आधार पर भारतीय हिमालयी नदी क्षेत्रों में दस हेक्टेयर से बड़ी 2,431 हिमनद झीलों का अध्ययन किया। इनमें 676 झीलों का में विस्तार पाया गया। हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में लगभग 200 हिमनद झीलों को खतरनाक माना गया है।

दरअसल, कम अवधि में अत्यधिक वर्षा पहाड़ी ढलानों को अस्थिर कर सकती है। नदी में पानी के साथ भारी मलबा पहुंचा सकती है। हर हिमालयी आपदा को सड़क, सुरंग या बांध का परिणाम मानना गलत होगा। लेकिन अनियोजित निर्माण प्राकृतिक खतरे को बड़ी मानवीय त्रासदी में बदल सकता है।

सड़कों के लिए पहाड़ काटना, ढलानों पर भारी निर्माण, नदी किनारे होटल और मकान, खराब जल-निकासी, निर्माण का मलबा नदियों में डालना तथा वन क्षेत्र का क्षरण जोखिम बढ़ाते हैं। जोशीमठ इसका उदाहरण है। दरअसल, शहर पुराने भूस्खलन के मलबे के मोटे जमाव पर स्थित है और वहां भू-धंसाव का खतरा ज्ञात था। 1976 की मिश्रा समिति ने भी भूमि की भार-वहन क्षमता की जांच के बिना भारी निर्माण न करने की सलाह दी थी।

जलविद्युत ऊर्जा-सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। अत: हर बांध को आपदा का कारण मान लेना उचित नहीं। लेकिन हिमनद झील, हिमस्खलन या भूस्खलन वाले क्षेत्र के नीचे बनी परियोजना की सुरक्षा सामान्य नदी परियोजना जैसी नहीं हो सकती। भारत सरकार ने 47 बांधों—38 चालू और नौ निर्माणाधीन—को हिमनद झील फटने से संभावित रूप से प्रभावित होने वाले बांधों में चिन्हित किया है। पहाड़ी राज्यों हेतु जोखिम कम करने की योजना भी बनाई है। आखिर बांध —कहां बने, कितनी क्षमता हो व उसके ऊपर हिमनद, झील, भूस्खलन व मलबा-प्रवाह का खतरा कितना है?

हिमालय के भविष्य का सबसे बड़ा विरोधाभास यही है। हिमनद तेजी से पिघलेंगे तो प्रारंभिक दशकों में अधिक पानी, बड़ी हिमनद झीलें और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। लेकिन लंबे समय में हिमनद सिकुड़ने से कुछ नदी क्षेत्रों में शुष्क मौसम के जल-प्रवाह पर दबाव बढ़ सकता है। हिमालयी नदियां राजनीतिक सीमाएं नहीं मानतीं। तिब्बत में बनी प्राकृतिक झील या भूस्खलन भारत और नेपाल को प्रभावित कर सकता है। नेपाल में उत्पन्न बाढ़ भारत तक पहुंच सकती है। इसलिए भारत, नेपाल, भूटान और चीन के बीच वर्षा, नदी प्रवाह, हिमनद झीलों, हिमस्खलन और भूस्खलन का तात्कालिक आंकड़ा-साझाकरण तंत्र आवश्यक है। संवेदनशील हिमनद झीलों और अस्थिर हिम-चट्टानी ढलानों की उपग्रह, रडार, मानवरहित यान और भूमि आधारित संवेदकों से लगातार निगरानी हो। नदी घाटियों में स्वचालित जलमापक यंत्र, कैमरे और चेतावनी सायरन लगाए जाएं।

नए युग का उपनिवेशवाद

पिछले दिनों एक विश्वविद्यालय में मैंने छात्रों से पूछा कि दिन भर में रील्स देखने में उनका कितना समय जाता है? अधिकांश छात्रों ने कहा औसतन दो से चार घंटे, लेकिन एक छात्र का उत्तर भीतर तक उतर गया। उसने कहा, सर, पता ही नहीं चलता। अंगूठा अपने आप चलता रहता है।

यही समस्या का सार है कि करोड़ों युवा रोज घंटों वह देख रहे हैं, जिसे देखने का निर्णय उन्होंने स्वयं नहीं लिया। यह अकेला किस्सा नहीं है। बेन एंड कंपनी के अध्ययन के अनुसार लगभग 60 करोड़ भारतीय शार्ट वीडियो देखते हैं और सक्रिय उपयोगकर्ता रोज 55 से 60 मिनट इन पर बिताते हैं। यदि 60 करोड़ लोग रोज एक घंटा भी दें तो हम हर दिन लगभग 68 हजार वर्षों के बराबर मानवीय-समय अंगूठे से स्क्राल करने में झोंक रहे हैं। जिस देश की आधी आबादी 25 वर्ष से कम हो, वहां यह स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय उत्पादकता और मानसिक स्वास्थ्य का एक ज्वलंत प्रश्न बन जाता है। विज्ञान इस चिंता की पुष्टि करता है। हर 15-30 सेकंड में बदलती रील मस्तिष्क को भावनाओं के झूले पर बिठा देती है। एक क्षण हंसी, अगले क्षण क्रोध, फिर संगीत, फिर कुछ त्रासदी। मनोविज्ञानी इसे भावनात्मक माइक्रो-शाक कहते हैं, जिसमें डोपामिन तंत्र जुए की मशीन की तरह बार-बार उत्तेजित होता है। चीन की झेजियांग यूनिवर्सिटी के एफएमआरआई अध्ययन के अनुसार ये रील्स मस्तिष्क के लत से जुड़े केंद्रों को सक्रिय कर आत्म-नियंत्रण कमजोर करती हैं। प्रोफेसर ग्लोरिया मार्क के शोध के अनुसार स्क्रीन पर औसत ध्यान 2004 में ढाई मिनट था, जो अब मात्र 47 सेकंड रह गया है। जिस सभ्यता ने ध्यान और एकाग्रता को विज्ञान का दर्जा दिया, उसी की युवा पीढ़ी का ध्यान आज भटक-भटक कर नीलाम हो रहा है।

अब असल प्रश्न यही कि यह तय कौन करता है कि हमारे बच्चे क्या देखें? न बच्चा, न माता-पिता, न शिक्षक और न सरकार। यह निर्णय विदेशी सर्वरों पर बैठे एल्गोरिदम करते हैं, जिनका लक्ष्य है दर्शक को अधिकतम देर स्क्रीन से चिपकाए रखना। यहां उन रचनाकारों को नमन जरूरी है जो सार्थक कंटेंट गढ़ रहे हैं। कोई छोटे शहर से बच्चों को भौतिकी पढ़ा रहा है, तो कोई किसानों तक नई तकनीक पहुंचा रहा है। ये सच्चे राष्ट्र-निर्माता हैं, पर हमारी बड़ी चूक यह रही कि हमने बुद्धिमत्ता को नायकत्व नहीं दिया।

मंच और स्टारडम मनोरंजन को मिल रहा है, ज्ञान को नहीं। इसीलिए युवा उनकी ओर कम खिंचते हैं। डा. कलाम प्रमाण थे कि विज्ञानी भी युवाओं का महानायक बन सकता है, लेकिन ऐसी आवाज कितनों तक पहुंचेगी और किसे कमाई मिलेगी, यह वही एल्गोरिदम तय करता है, जो हमारे नियंत्रण से बाहर है। जब करोड़ों युवाओं का ध्यान और महत्वाकांक्षा विदेशी नियंता तय करें, तो यह भारतीय मन की पराधीनता ही है। यह नए युग का उपनिवेशवाद है। इसका प्रमाण चाहिए तो एक ही कंपनी के दो चेहरे देखिए। टिकटाक की मालिक बाइटडांस चीन में इसी एप का घरेलू संस्करण डोयिन चलाती है। वहां 14 वर्ष से छोटे बच्चों को दिन में केवल 40 मिनट मिलते हैं, रात 10 से सुबह छह तक एप बंद रहता है और फीड में विज्ञान, विरासत और इतिहास दिखता है। शेष विश्व को वही कंपनी उलझाए रखने वाला संस्करण देती है। ट्रिस्टन हैरिस ने इसे अपने बच्चों के लिए पालक, दुनिया के बच्चों के लिए अफीम कहा है। एक सर्वेक्षण में अमेरिकी किशोरों का सपना इन्फ्लुएंसर बनना निकला, जबकि चीनी किशोरों का अंतरिक्ष यात्री। स्पष्ट है कि प्राथमिकता वही तय करता है, जिसके हाथ में चाबी है हालांकि इस विकराल होते जा रहे खतरे के प्रति दुनिया जाग भी रही है। आस्ट्रेलिया ने 10 दिसंबर, 2025 से 16 वर्ष से छोटे बच्चों के इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटाक समेत दस प्लेटफार्मों पर खाते प्रतिबंधित कर दिए और लगभग 275 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया है। करीब 50 लाख खाते बंद हुए, फिर भी दस में आठ बच्चे किसी न किसी रास्ते से पहुंच बना ले रहे हैं। यही सुबूत है कि केवल ताला लगाना काफी नहीं, ढांचा भी बदलना होगा। यूरोपीय संघ प्रोफाइलिंग-मुक्त फीड का विकल्प अनिवार्य करता है। चीन में 2022 से एल्गोरिदम का सरकारी पंजीकरण जरूरी है। और भारत? हमने 2020 में टिकटाक पर प्रतिबंध लगाने का साहस दिखाया था और अब डीपीडीपी कानून की धारा 9(3) बच्चों की प्रोफाइलिंग तथा लक्षित विज्ञापन पर रोक लगाती है, मगर इस पर अमल मई 2027 से होना है। कानून बन चुका है, पर असली परीक्षा उसे लागू कर उसे धारदार एवं असरदार बनाने की है। फिलहाल हम क्या करें? सबसे पहले तो धारा 9(3) पर अमल जल्द और सख्ती से हो। कोई भी प्लेटफार्म अपने एल्गोरिदम का स्वतंत्र आडिट कराए और हर उपयोगकर्ता को बिना-एल्गोरिदम सीधी फीड का विकल्प दें। भारत में क्या दिखेगा, यह भारत के नियम तय करें, विदेशी गणित नहीं। दूसरा, नाबालिगों के लिए यूथ मोड अनिवार्य हो। समयसीमा, रात्रि अवकाश और आयु-सत्यापन, जैसा चीन और आस्ट्रेलिया ने किया। तीसरा, बुद्धिमत्ता को नायकत्व और लाभ, दोनों दें। श्रेष्ठ शिक्षाप्रद रचनाकारों को राष्ट्रीय मंच मिले और नाबालिगों की फीड में शिक्षाप्रद सामग्री का न्यूनतम अनुपात हो। सरकार टेलीकाम कंपनियों संग लर्न एंड अर्न माडल लाए। विज्ञान, परीक्षा-तैयारी और कौशल कंटेंट देखने पर डाटा सस्ता पड़े या मुफ्त डाटा अर्जित हो। ज्ञान अर्जित करना सदैव मनोरंजन से सस्ता होना चाहिए। चौथा, बदलाव घर से शुरू हो।

भोजन और अध्ययन के समय स्क्रीन-मुक्त घंटे, साप्ताहिक रूप से डिजिटल उपवास और विद्यालयों में भी एकाग्रता का अभ्यास किया जाए।

डॉ. कलाम कहा करते थे कि युवाओं का प्रज्वलित मन धरती के ऊपर, धरती पर और धरती के नीचे का सबसे शक्तिशाली संसाधन है। आज उसी मन को प्रज्वलित करने वाली चाबी विदेशी एल्गोरिदम के हाथों में जा रही है। हमें यह चाबी वापस लेनी होगी, ताकि स्क्रीन हमारे युवाओं के लिए दुनिया देखने की खिड़की बने, उन्हें बांधने वाली बेड़ी नहीं।

भागवत कथा में कपिल मुनि के उपदेश से भरत चरित्र तक भावपूर्ण प्रसंग

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में श्री राम मंदिर प्रन्यास एवं श्री सनातन धर्म सभा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन शनिवार को कथा स्थल भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कथा व्यास आचार्य जैनेन्द्र कटारा ने श्रद्धालुओं को भागवत के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रसंगों का विस्तार से श्रवण कराया। कथा में कपिल मुनि के उपदेश, ध्रुव चरित्र, दक्ष यज्ञ, भगवान शिव एवं माता सती के प्रसंग, शिव विवाह, भगवान ऋषभदेव के जन्म, राजा रहूगण और भरत चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कपिल मुनि के उपदेश का प्रसंग सुनाते हुए आचार्य कटारा ने कहा कि मनुष्य जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति के लिए नहीं है। जीवन का उद्देश्य परमात्मा की भक्ति, सत्कर्म और आत्मज्ञान की प्राप्ति भी है। भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मनुष्य मोह.माया के बंधन से मुक्त होकर जीवन को सार्थक बना सकता है। इसके बाद ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि बालक ध्रुव की अटूट श्रद्धा, दृढ़ संकल्प और भगवान के प्रति समर्पण प्रेरणादायी है। सच्ची श्रद्धा और दृढ़ निश्चय से कठिन से कठिन लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकता है। दक्ष यज्ञ, माता सती और भगवान शिव से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से अहंकार से दूर रहने का संदेश दिया गया। शिव विवाह के प्रसंग के दौरान कथा स्थल पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भगवान ऋषभदेव के जन्म और उनके आदर्श जीवन का वर्णन करते हुए आचार्य ने कहा कि मनुष्य को आत्मचिंतन और वैराग्य के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए परमात्मा की ओर अग्रसर होना चाहिए। भरत चरित्र के माध्यम से भी इसी आध्यात्मिक संदेश को विस्तार दिया गया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागवत कथा का श्रवण किया। सचिव अनिल खुराना ने बताया कि कथा प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक आयोजित की जा रही है। लक्ष्मण मलिक, जितेंद्र चड्ढा, तुलसी संगतानी सहित श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी।

आज के परिवेश पर एक विशेष लेख

टॉक्सिक रिलेशनशिप : जब रिश्ता प्यार से ज्यादा दर्द देने लगे

नवयत्न।

रिश्ता इंसान की जिंदगी का वह हिस्सा है, जहाँ उसे अपनापन, सम्मान, भरोसा और सुकून मिलना चाहिए। लेकिन कई बार वही रिश्ता धीरे-धीरे मानसिक तनाव, असुरक्षा, डर, अपराधबोध और अकेलेपन का कारण बन जाता है। ऐसे रिश्ते को आमतौर पर टॉक्सिक रिलेशनशिप कहा जाता है। टॉक्सिक रिश्ते हमेशा पहली नजर में खराब दिखाई नहीं देते। कई बार शुरुआत बेहद खूबसूरत होती है-बहुत ज्यादा प्यार, लगातार बातचीत, एक-दूसरे की चिंता और हर पल साथ रहने की इच्छा। समस्या तब शुरू होती है, जब प्यार के नाम पर कंट्रोल, शक, भावनात्मक दबाव और स्वार्थ रिश्ते का हिस्सा बनने लगते हैं।

टॉक्सिक रिलेशनशिप की पहचान कैसे करें ?

टॉक्सिक रिश्ते में एक व्यक्ति बार-बार दूसरे की भावनाओं और स्वतंत्रता को नियंत्रित करने की कोशिश कर सकता है। जैसे- हर बात पर शक करना। फोन, मैसेज और सोशल मीडिया की निगरानी करना। दोस्तों या परिवार से दूरी बनाने का दबाव डालना। छोटी-छोटी बातों पर अपमानित करना। हर गलती का दोष दूसरे पर डालना। जरूरत के समय प्यार और जरूरत खत्म होने पर दूरी। बार-बार भावनात्मक ब्लैकमेल करना। अगर तुम मुझसे प्यार करते हो तो यह साबित करो, जैसी बातें करना। सामने वाले की भावनाओं को महत्व न देना। माफी मांगने के बाद वही व्यवहार दोहराते रहना। रिश्ते में एक व्यक्ति का लगातार देना और दूसरे का केवल लेना।

सबसे खतरनाक स्थिति-खुद को खो देना

टॉक्सिक रिश्ते का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि इंसान धीरे-धीरे अपने वास्तविक व्यक्तित्व से दूर होने लगता है। वह हर बात बोलने से पहले सोचता है कि सामने वाला नाराज तो नहीं होगा। वह अपनी पसंद छोड़ देता है। दोस्तों से दूरी बना लेता है। परिवार से कम बात करने लगता है। अपनी खुशियों को छोटा और दूसरे की इच्छाओं को बड़ा समझने लगता है। एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति खुद से ही सवाल करने

प्यार और टॉक्सिक व्यवहार में अंतर

प्यार में विश्वास होता है, टॉक्सिक रिश्ते में शक। प्यार में सम्मान होता है, टॉक्सिक रिश्ते में अपमान। प्यार में स्वतंत्रता होती है, टॉक्सिक रिश्ते में कंट्रोल। प्यार में गलती होने पर बातचीत होती है, टॉक्सिक रिश्ते में दोषारोपण।

प्यार में दोनों एक-दूसरे की जरूरत समझते हैं, जबकि टॉक्सिक रिश्ते में कई बार एक व्यक्ति की जरूरतें ही रिश्ते का केंद्र बन जाती हैं।

लगता है- क्या गलती मेरी ही है ? यही वह मोड़ है जहाँ व्यक्ति को रुककर अपने रिश्ते को ईमानदारी से देखना चाहिए। सिर्फ प्यार किसी रिश्ते को बचा नहीं सकता यह समझना बहुत जरूरी है कि किसी रिश्ते को बचाने के लिए केवल प्यार पर्याप्त नहीं है। एक स्वस्थ रिश्ते के लिए विश्वास, सम्मान, संवाद, जिम्मेदारी और पारस्परिक प्रयास भी जरूरी हैं। अगर एक व्यक्ति बार-बार रिश्ते को बचाने की कोशिश करता रहे और दूसरा व्यक्ति केवल अपनी सुविधा के अनुसार रिश्ते को चलाए, तो वह रिश्ता धीरे-धीरे भावनात्मक बोझ बन सकता है। रिश्ता वह नहीं जिसमें केवल एक व्यक्ति समझौते करता रहे। रिश्ता वह है जिसमें दोनों एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें।

क्या हर मुश्किल रिश्ता टॉक्सिक होता है ?

नहीं। हर रिश्ते में मतभेद होते हैं। कभी नाराजगी होती है, कभी बहस होती है और कभी एक-दूसरे से दूरी भी बन सकती है। लेकिन स्वस्थ रिश्ते में समस्या के बाद सुधार की कोशिश होती है। टॉक्सिक रिश्ते में समस्या अक्सर बार-बार उसी पैटर्न में लौटती है- झगड़ा, आरोप, माफी, कुछ समय प्यार और फिर वही व्यवहार। इसलिए किसी एक घटना के बजाय लगातार दोहराए जाने वाले व्यवहार को देखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। ऐसे रिश्ते से बाहर निकलना आसान नहीं होता। लोग अक्सर कहते हैं-जब रिश्ता इतना खराब है तो छोड़ क्यों नहीं देते ? लेकिन वास्तविकता इतनी सरल नहीं होती। टॉक्सिक रिश्ते में व्यक्ति भावनात्मक रूप से जुड़ा होता है। उसे अच्छे दिनों की याद आती है। उसे उम्मीद रहती है कि शायद सामने वाला बदल जाएगा। कभी अपराधबोध रोकता है, कभी अकेलेपन का डर और कभी समाज का दबाव। इसलिए बाहर निकलना कमजोरी नहीं है। कई बार खुद को बचाने के लिए दूरी बनाना ही सबसे मजबूत फैसला होता है।

खुद से कुछ सवाल जरूर पूछें

अगर आप किसी रिश्ते को लेकर असमंजस में हैं तो खुद से पूछिए-

1. क्या इस रिश्ते में मुझे सम्मान मिलता है?
2. क्या मैं बिना डर के अपनी बात कह सकता/सकती हूँ ?
3. क्या मेरी भावनाओं को महत्व दिया जाता है ?
4. क्या मैं इस रिश्ते के कारण अपने परिवार और दोस्तों से दूर हो रहा/रही हूँ?
5. क्या मैं लगातार तनाव और अपराध बोध में रहता/रहती हूँ ?
6. क्या रिश्ते को बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ मेरी है ?
7. क्या सामने वाला अपने व्यवहार को बदलने के लिए वास्तव में प्रयास करता है?
8. क्या इस रिश्ते में मैं खुद जैसा रह पाता/पाती हूँ ?

अगर इन सवालों के अधिकांश जवाब नकारात्मक हैं, तो रिश्ते पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

रिश्ते का उद्देश्य सुकून होना चाहिए, सजा नहीं

किसी को प्यार करना खूबसूरत है, लेकिन अपने आत्मसम्मान की कीमत पर किसी रिश्ते को निभाना जरूरी नहीं। आप किसी से बेहद प्यार कर सकते हैं और फिर भी यह स्वीकार कर सकते हैं कि वह रिश्ता आपके लिए स्वस्थ नहीं है। किसी रिश्ते का खत्म होना हमेशा प्यार की हार नहीं होती। कभी-कभी वह अपने अस्तित्व, आत्मसम्मान और मानसिक शांति को बचाने की शुरुआत होती है। अंततः एक स्वस्थ रिश्ता वह है जहाँ आपको यह डर न हो कि आपकी सच्चाई रिश्ते को तोड़ देगी।

- जहाँ आपको बार-बार खुद को साबित न करना पड़े।
- जहाँ प्यार मांगना न पड़े।
- जहाँ सम्मान के लिए लड़ना न पड़े।
- और जहाँ साथ होने के बावजूद आप अकेले महसूस न करें।
- क्योंकि सच्चा रिश्ता वह नहीं जिसमें इंसान खुद को खो दे-
- सच्चा रिश्ता वह है जिसमें इंसान खुद को पाकर और बेहतर बन जाए।

लेखक- श्रीराम तिवाड़ी, नोखा

बढ़ते पाप और जीव हिंसा से धरती दुखी : उमाकांत महाराज

निसं

जयपुर (नवयत्न)। संत बाबा उमाकांत महाराज ने सत्संग में कहा कि समर्थ गुरु द्वारा नामदान के समय दिया गया नाम अनमोल है, जिसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा कि संत जीवों को आध्यात्मिक मार्ग दिखाने और सतलोक का रास्ता बताने के लिए धरती पर आते हैं। बाबा उमाकांत महाराज ने बढ़ती जीव हिंसा और पाप कर्मों पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान समय में लोगों के कर्म खराब होते जा रहे हैं, जिससे देवी-देवता और धरती भी दुखी हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में जानवरों को मारा-काटा जा रहा है, और धरती पर खून बह रहा है। उन्होंने लोगों को चेताते हुए कहा कि धरती मानो संदेश दे रही है, मेरे ऊपर पाप मत करो, नहीं तो करवट लूंगी। उन्होंने भूकंप और पहाड़ों के गिरने जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए लोगों से पाप कर्मों से बचने, जीवों के प्रति दया रखने और सद्कर्म करने का आह्वान किया।

नामांकन के दूसरे दिन 72 प्रत्याशियों ने नामांकन भरे

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर चुनावी सरगर्मी अब तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शनिवार को एसडीएम कार्यालय में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी। विभिन्न वार्डों से चुनाव मैदान में उतरने वाले 72 प्रत्याशियों ने रिटर्निंग अधिकारी सौरव भाम्बू के समक्ष नामांकन आवेदन दाखिल किए। सुबह से ही प्रत्याशी अपने प्रस्तावकों और समर्थकों के साथ कार्यालय पहुंचने लगे। कई प्रत्याशी ढोल नगाड़ों और नारेबाजी के बीच जुलूस के रूप में नामांकन दाखिल करने पहुंचे, जिससे कार्यालय परिसर और आसपास का क्षेत्र पूरी तरह चुनावी रंग में नजर आया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान भाजपा, कांग्रेस के साथ निर्दलीय प्रत्याशियों की भी सक्रियता दिखाई दी। प्रत्याशी निर्धारित प्रक्रिया के तहत दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा करवाते रहे। समर्थक अपने उम्मीदवार के पक्ष में नारेबाजी करते नजर आए। भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के इंतजाम किए गए। नामांकन प्रक्रिया के बीच एडीएम भागीरथ साख ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने नामांकन के लिए तैनात कार्मिकों से पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। एडीएम आमजन की तरह लाइन में लगे और मौके पर नामांकन व्यवस्था को परखा। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारी सौरव भाम्बू से अब तक प्राप्त आवेदनों और चुनाव प्रक्रिया की जानकारी ली। एडीएम ने अधिकारियों और कार्मिकों को नामांकन प्रक्रिया नियमानुसार, पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्याशियों के दस्तावेजों की जांच निर्धारित नियमों के अनुसार करने तथा नामांकन स्थल पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार राकेश पूनियां सहित संबंधित कार्मिक मौजूद रहे। नामांकन के दूसरे दिन बड़ी संख्या में आवेदन आने से साफहै कि श्रीमाधोपुर में चुनावी मुकाबला जोर पकने लगा है।

नगर पालिका चुनाव : दूसरे दिन 49 प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन

सोमवार को नामांकन का आखिरी दिन

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। नगर पालिका आम चुनाव 2026 के तहत नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शनिवार को चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई। विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी उत्साह के साथ नामांकन पत्र दाखिल किए। शनिवार को कुल 49 नाम निर्देशन पत्र रिटर्निंग अधिकारी प्यारेलाल चावला के समक्ष प्रस्तुत किए गए। नामांकन दाखिल करने वालों में भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों के साथ बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल रहे। नामांकन को लेकर प्रत्याशियों के साथ उनके समर्थक और कार्यकर्ता भी तहसील कार्यालय पहुंचे। इसके चलते कार्यालय के आसपास दिनभर चुनावी माहौल बना रहा। रिटर्निंग अधिकारी प्यारेलाल चावला ने बताया कि रविवार को राजकीय अवकाश होने के कारण नामांकन प्रक्रिया स्थगित रहेगी। अब सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन होगा। ऐसे में शेष बचे प्रत्याशियों के नामांकन को लेकर सोमवार को भी तहसील कार्यालय में काफी चहल-पहल रहने की संभावना है। समर्थकों में दिखा उत्साह नामांकन प्रक्रिया के दौरान तहसील कार्यालय के बाहर विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों के समर्थकों की भीड़ नजर आई। समर्थक अपने प्रत्याशियों के साथ नामांकन स्थल तक पहुंचे और चुनाव को लेकर उत्साह जताया। नगर पालिका चुनाव के मैदान में उतरने वाले प्रत्याशियों की तस्वीर सोमवार के बाद और स्पष्ट होगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम : मैत्री क्रिकेट में सेक्रेटरी एकादश विजयी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेल गतिविधियों से भरपूर कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रभात फेरी, हॉकी फाइनल, मैत्री क्रिकेट मैच और विभिन्न खेलों के श्रेष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान समारोह हुआ। रविवार को सुबह 6:30 बजे ष्संडे ऑन साइकिल साइकिल रैली और सुबह 8 बजे बास्केटबॉल फाइनल होगा।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के खेल अधिकारी प्रशिक्षण करण सिंह शेखावत ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई। परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। इसमें विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों और स्टेडियम स्टाफने भाग लिया। इससे पहले प्रतिभागियों ने फिटनेस, खेल भावना और ओलंपिक के उत्कृष्टता, सम्मान एवं मित्रता के मूल्यों को आत्मसात करने की शपथ ली। महिला हॉकी फाइनल में एसएमएस क्लब ने एमजीजीएस-दुर्गापुरा को 1.0 से हराकर खिताब जीता। निर्णायक गोल रिया ने किया। पुरुष वर्ग में हॉकी अकादमी ने स्टार क्लब को 2.1 से शिकस्त दी। विजेता टीम की ओर से मनीष स्वामी और मनवीर ने एक-एक गोल किया, जबकि स्टार

क्लब के ऐजाज ने गोल दागा। विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। हैंडबॉल में उपेंद्र सिंह राठौड़ और पूजा जाट, हॉकी में मनजोत सिंह और रिया, कबड्डी में अभिनव मीणा और मोनिका चौधरी, रस्साकशी में मनीष यादव और ममता तथा वॉलीबॉल में अरनव और सलोनी को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। दिन का आकर्षण सेक्रेटरी एकादश और स्पोर्ट्स मैनेजर एकादश के बीच मैत्री क्रिकेट मैच रहा। सेक्रेटरी एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में चार विकेट पर 130 रन बनाए। सचिव राजकेश मीणा ने 23 गेंदों में चार चौकों की मदद से 40 रन बनाए। हैंडबॉल प्रशिक्षक प्रियदीप सिंह ने 28 गेंदों में छह छक्कों और सात चौकों की मदद से नाबाद 74 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्पोर्ट्स मैनेजर एकादश 10 ओवर में चार विकेट पर 79 रन ही बना सकी। कृष्ण कुमार ने 31 और हॉकी प्रशिक्षक प्रशांत सप्रे ने 23 रन बनाए। इस तरह सेक्रेटरी एकादश ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया। करण सिंह शेखावत ने बताया कि रविवार सुबह 6:30 बजे स्टेडियम की मुख्य इमारत के सामने से संडे ऑन साइकिल रैली निकाली जाएगी, जिसमें प्रशिक्षक और खिलाड़ी भाग लेंगे। इसके बाद सुबह 8 बजे बास्केटबॉल का फाइनल मुकाबला होगा और पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

वार्ड पार्षद चुनाव के लिए प्रत्याशियों ने जमा करवाए आवेदन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। नगरपरिषद चुनावों के लिए नामांकन भरने के दूसरे दिन क्षेत्र में चुनावी हलचल परवान पर रही और कुल 95 नामांकन पत्र चुनाव लड़ने के लिए रिटर्निंग अधिकारी संतोष कुमार मीणा के समक्ष दाखिल किए। सुबह साढ़े दस बजे के बाद से ही प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ ढ़ोल ताशे बजाते हुए नजर आने लगे और उपखंड कार्यालय तक पहुंचे। उपखंड कार्यालय पर पूरी बारिकी से नामांकन पत्रों की जांच के बाद सभी ने अपने नामांकन दाखिए किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नं. 1 में लालचंद मेघवाल ने निर्दलीय, बाबूलाल ने कांग्रेस से, बाबूलाल ने ही निर्दलीय से फॉर्म भरा है। दूसरा और वार्ड नं 2 की राजनीति की बात करें, तो यहां पर राजनीति अपने चरम पर है और यहां पर भाजपा से सोना प्रजापत, भाजपा से ही शिवानी प्रजापत और लक्ष्मी प्रजापत ने भाजपा व निर्दलीय के रूप में भी आवेदन किया है। आपको बता दें कि पार्टी से फार्म भरने के साथ-साथ आवेदनकर्ता निर्दलीय के रूप में एक्स्ट्रा आवेदन फार्म इसलिए जमा करवाते हैं, कि अगर पार्टी उनको टिकट नहीं दे, तो उनकी अभ्यर्थिता समाप्त नहीं होती, बल्की निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उनका चुनावी नामांकन जारी रहता है। इसी प्रकार वार्ड नं 3 की बात करें तो निर्दलीय के रूप में सत्यनारायण ने आवेदन किया है और महावीर ने भाजपा के दावेदार के तौर पर आवेदन किया है। वार्ड नं 4 में हीरालाल बागड़ा ने निर्दलीय, वार्ड नं 6 में पार्वती देवी ने भाजपा से, चुकी ने भी भाजपा से ही आवेदन किया है। इसी प्रकार वार्ड नं 7 में एक नामांकन मंजू देवी ने भाजपा के दावेदार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। वार्ड नं 8 की बात की जाए तो यहां पर पुखराज ने भाजपा की ओर से तथा पुखराज ने ही निर्दलीय के रूप में आवेदन जमा करवाये हैं। वार्ड नं 9 में भाजपा नेता राजकुमार तंवर ने नामांकन पत्र जमा करवाया है। वार्ड नं 10 में कांग्रेस नेता सीमा ने, वार्ड नं 11 में सलीम खान ने दो फार्म निर्दलीय और कांग्रेस की ओर से, वार्ड नं 11 में ही मो आजाद ने निर्दलीय, गिरधारीलाल ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से आवेदन किया है। वार्ड न 12 में बनवारीलाल ने भाजपा की ओर से, वार्ड नं 13 में भाजपा की राजू देवी ने, वार्ड 14 में भाजपा नेता मनीष दाधीच के साथ उपखंड कार्यालय पहुंचकर पूजा दाधीच ने भाजपा की ओर से आवेदन जमा करवाया। इसी प्रकार वार्ड नं. 15 में कांग्रेस नेता सुनीता अग्रवाल ने, वार्ड नं. 16 में मधु दीनदयाल पारीक ने भाजपा की ओर से, वार्ड 17 में संतोष सोनी ने भाजपा की

ओर से, वार्ड 19 में लक्ष्मीदेवी ने भाजपा की ओर से, वार्ड 22 में नरेंद्र गुर्जर ने दो फार्म निर्दलीय और भाजपा के दावेदार के तौर पर जमा करवाये। इसी प्रकार वार्ड 23 में निर्दलीय यशोदा, वार्ड 24 में राकेश कुमार भाजपा से, गौतम टाक भाजपा से, वार्ड 25 मधु बागरेचा कांग्रेस से, वार्ड 26 मनोहरलाल नाई भाजपा, करणीदान चारण निर्दलीय, माणकचंद निर्दलीय, बुद्धिप्रकाश सोनी ने भाजपा से दो नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इसी प्रकार वार्ड 27 में गौतम पारीक ने भाजपा से पर्चा दाखिल किया। वार्ड 28 में भाजपा नेता मनोज पारीक ने नामांकन भरा। इसी वार्ड में रामचंद्र जाट ने भाजपा दावेदार और निर्दलीय के तौर पर दो फार्म भरे हैं। वार्ड न 29 में बजरंगलाल सैन ने निर्दलीय के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। वार्ड 31 में निर्दलीय तरूणा, निर्दलीय विक्की चौहन, निर्दलीय मोहम्मद साकिर, जाकिर क्याल ने निर्दलीय और कांग्रेस से टिकट दावेदार के रूप में नामांकन दाखिल किया है। वार्ड 31 में सुल्तान अली बिसायती ने कांग्रेस व निर्दलीय के फार्म भरे हैं। वार्ड 34 में भाजपा नेता जयश्री दाधीच ने भी अपने समर्थको के साथ भाजपा की ओर से नामांकन दाखिल किया है। इसी वार्ड में लक्ष्मीदेवी ने निर्दलीय के तौर पर फार्म भर दिया है। लक्ष्मी देवी भाजपा नेता शिवभगवान चौहान की पत्नी हैं। जिससे यहां पर एक ही पार्टी के लोगों में मुकाबला होने की गुंजाईश बढ़ गई है। वार्ड 35 में भाजपा की ओर से बाबूलाल कुलदीप ने तथा वार्ड न 36 में पुष्पा देवी कुलदीप ने भाजपा के तौर पर, कांग्रेस के दावेदार के तौर पर बाबूलाल फलवाड़िया ने नामांकन दाखिल किए हैं। इसी प्रकार वार्ड 37 में करीना कुमारी ने भाजपा से, छोटी ने निर्दलीय के रूप में, वार्ड 38 में प्रियंका देवी ने भाजपा से नामांकन दाखिल किए हैं। इसी प्रकर वार्ड 40 में फारूक अली भूट्टा ने कांग्रेस व निर्दलीय के रूप में नामांकन भरा है। इसी वार्ड में भाजपा की ओर से अयूब ने, समीर कुरेशी ने भाजपा से, मोहम्मद जब्बार ने निर्दलीय के रूप में फार्म भरा है। वार्ड नं. 41 में कांग्रेस से गुलाफाम हुसैन, 42 में ज्योति ने निर्दलीय, सोनू तोदी ने भाजपा से, 43 में रामगोपाल ने भाजपा से, जगवीरसिंह ने निर्दलीय, राजपालसिंह ने निर्दलीय व भाजपा से, अजीज अली ने निर्दलीय, रघुवीर प्रसाद ने निर्दलीय के तौर पर नामांकन दाखिल किया है।

वार्ड 45 में भगवानाराम प्रजापत ने निर्दलीय, तनसुख प्रजापत ने भाजपा से आवेदन किया है। इसी प्रकार 46 में नरेंद्र ने निर्दलीय, विनोद कुमार मुथारिया ने निर्दलीय, अशोक कुमार आर गुर्जर निर्दलीय के तौर पर फार्म जमा हुए हैं। वार्ड 47 में लालचंद माली निर्दलीय, दिनेश शर्मा भाजपा से, वार्ड 48 में अमरसिंह ने भाजपा से, मंगलसिंह ने कांग्रेस से, सत्यनारायण स्वामी ने निर्दलीय, कानसिंह ने निर्दलीय, बनवारी नाथ निर्दलीय के तौर पर, वार्ड 50 में लियाकत अली ने निर्दलीय, 51 में लक्ष्मीनारायण ने भाजपा से, वार्ड 52 में भाजपा से पुरूषोतम शर्मा, 53 में दिनेश प्रजापत ने भाजपा से, 54 में तारामणी देवी ने भाजपा से, 55 में सुनील नायक ने निर्दलीय के तौर पर, भंवरलाल बावरी ने कांग्रेस से, गणेशाराम ने भाजपा से, 57 में संतोष ने भाजपा से, 58 में मुकेश ने भाजपा से व अमित कुमार सोनी ने भी भाजपा से आवेदन किया है।

गोपीनाथ मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव 4 को

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। मंदिरश्री गोपीनाथजी का श्रीमाधोपुर में जन्माष्टमी पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनकी तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी गई है। मंदिर के महंत डॉक्टर मनोहर शरण दास ने बताया कि महोत्सव के तहत गुरुवार 3 सितंबर को शाम 8 बजे देव पूजन एवं आह्वान तथा कलश स्थापना, शुक्रवार 4 सितंबर को सवा 4 बजे मंगला आरती, प्रातः सवा 8 बजे फूलबंगला श्रृंगार दर्शन एवं आरती, दोपहर सवा 12 बजे राजभोग आरती, शाम 5 बजे उत्थापन, शाम साढ़े 6 बजे से जीवंत झांकियां दर्शन, रात्रि 9 बजे भक्तों द्वारा अभिषेक, रात्रि साढ़े 9 बजे श्रीगोपीनाथजी का पंचामृत अभिषेक एवं झांकी, रात 10:45 बजे श्रीचतुर्भुज झांकी, रात 12:15 बजे महाआरती, पंचामृत व पंजीरी वितरण एवं संपूर्ण रात्रि जागरण, शनिवार 5 बजे सितंबर को प्रातः सवा 8 बजे से 10:30 बजे तक नंदोत्सव एवं बधाईगान, रात्रि 8:30 बजे से बधाई गान तथा रविवार 6 सितंबर को 8:30 बजे से श्री गोपीनाथ सहस्त्रनाम सामूहिक पाठ, 10:30 बजे छप्पन भोग अर्पण व दोपहर 12:15 बजे से राजभोग एवं आरती आयोजित की जाएगी। महंतश्री ने क्षेत्र वासियों से आग्रह किया है कि वे सभी कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

भाद्रपद माह शुरू : षोडशकारण व्रत-मेघमाला व्रत साधना में जुटे जैन श्रद्धालु

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकम शनिवार से भाद्रपद मास प्रारंभ हो गया। इसके साथ ही दिगम्बर जैन मंदिरों में एक माह तक धार्मिक आयोजनों की रौनक रहेगी। जैन धर्मावलंबी पूरे एक माह तक षोडशकारण पर्व मनाएंगे। इस दौरान जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चनाए व्रतए विधान और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार को षोडशकारण व्रत एवं मेघमाला व्रत प्रारंभ होंगे, जो रविवार, 27 सितम्बर तक चलेंगे। इस दौरान श्रद्धालु व्रत-उपवास के साथ धार्मिक आराधना करेंगे तथा जैन मंदिरों में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 15 सितम्बर से दशलक्षण महापर्व प्रारंभ होगा, जो 25 सितम्बर तक चलेगा। इससे पूर्व 2 सितम्बर को चन्दन षष्ठी, 11 सितम्बर से 13 सितम्बर तक लब्धिविधान तेला, 13 सितम्बर को रोट तीज एवं चौबीसी व्रत मनाया जाएगा। 18 सितम्बर को निर्दोष सप्तमी व्रत का आयोजन होगा। 15 सितम्बर से 25 सितम्बर तक दशलक्षण व्रत होंगे। 21 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जाएगी। 23 सितम्बर से 25 सितम्बर तक कर्म निर्झर तेला होगा। 24 सितम्बर से शनिवार, 26 सितम्बर तक रत्नत्रय व्रत रखा जाएगा। शुक्रवार, 25 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश का आयोजन होगा। इसी दिन भगवान वासुपूज्य का मोक्ष कल्याणक दिवस भी मनाया जाएगा। रविवार, 27 सितम्बर को षोडशकारण व्रत समापन कलश के साथ पड़वा ढोक एवं क्षमा वाणी पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर जैन धर्मावलंबी एक-दूसरे से क्षमा याचना कर वर्षभर में जाने.अनजाने हुई भूलों के लिए क्षमा मांगेंगे।

पालिका चुनाव में दूसरे दिन नामांकन में आई तेजी, 33 प्रत्याशियों ने दाखिल किए 34 पर्चे

नंदलाल गौड़

लोसल (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव को लेकर यहां पर चुनावी माहौल पूरी तरह गर्माने लगा है । नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शनिवार को तहसील कार्यालय में दिनभर निकाय चुनाव का चुनावी रंग देखने को मिला। जहां विभिन्न वार्डों के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए पर्चा दाखिल करने तहसील कार्यालय पहुंचे। ?रिटर्निंग अधिकारी आशीष शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि लोसल नगर पालिका के कुल 35 वार्डों में पार्षद पद के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। दूसरे दिन 33 उम्मीदवारों ने कुल 34 नामांकन पत्र दाखिल किए, जिनमें वार्ड नंबर 33 से एक ही प्रत्याशी द्वारा दो नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। इससे पहले नामांकन के पहले दिन केवल दो प्रत्याशियों ने पर्चे भरे थे। शनिवार शाम 3 बजे तक कुल मिलाकर 36 नामांकन फॉर्म जमा हो चुके हैं। जैसे-जैसे नामांकन की अंतिम तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे कस्बे में चुनावी सरगर्मियां और तेज होती जा रही हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी दंगल खूब परवान पर चढ़ने की संभावना है । पार्टियों के उम्मीदवारों के साथ साथ नगरपालिका क्षेत्र में निर्दलीय उम्मीदवारो की भी चर्चा है।

त्योहार और चुनाव को लेकर ट्रैफिक पुलिस अलर्ट

मंदिरों के आसपास रूट डायवर्जन और पार्किंग की होगी व्यवस्था

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आगामी जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी और नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए जयपुर यातायात पुलिस ने यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर यातायात एवं प्रशासन प्रदीप मोहन शर्मा ने शनिवार को यातायात अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर यातायात एवं प्रशासन प्रदीप मोहन शर्मा ने बताया कि बैठक में प्रमुख मंदिरों और आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए विशेष यातायात व्यवस्था लागू करने पर चर्चा हुई। गोविंददेवजी मंदिर, मोती डूंगरी गणेश मंदिर, इस्कॉन और अक्षरधाम सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास जरूरत के अनुसार रूट डायवर्जन और अस्थायी पार्किंग जोन बनाए जाएंगे। नगरीय निकाय चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के दौरान भी यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। यातायात पुलिस ने नामांकन के लिए आने वाले लोगों से अपील की है, कि वे सीमित संख्या में वाहनों के साथ आएं और कलेक्ट्रेट के आसपास निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़े करें। इससे आमजन को आवागमन में परेशानी से बचाया जा सकेगा। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर ने निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी यातायात जाम की सूचना मिलने पर क्रेन और अतिरिक्त यातायात पुलिस टीम को तत्काल मौके पर भेजा जाए। प्रमुख चौराहों और बाजारों के साथ आयोजन स्थलों पर भी अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया जाएगा। शर्मा ने सभी यातायात अधिकारियों और कर्मचारियों को त्योहारों एवं चुनाव के दौरान मुस्तैदी से ड्यूटी करने तथा आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने के निर्देश दिए।

चोरी की चांदी सहित दो आरोपी गिरफ्तार

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। अपने ही मालिक के यहां पर चांदी के जेवर बनाने वाले दो कारीगरों की नीत खराब हो गई और चांदी लेकर दोनों चले गए। पीछे से मालिक ने मुकदमा दर्ज करवाया और पुलिस ने मामले की जांच करते हुए दोनों आरोपियों को चौबीस घंटे में ही माल सहित गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली सीआई मुकेशचंद ने बताया कि दीनदयाल सोनी निवासी सुजानगढ़ ने रिपोर्ट दी थी कि उसकी दुकान में ही चांदी की पाजेब बनाने वाले विक्रम और बसंत पाजेब बनाने के लिए दी गई चांदी को चोरी करके ले गए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआई जगदीश गढ़वाल को सौंपी। सीआई मुकेशचंद ने बताया कि पुलिस की टीम ने आरोपी विक्रम पुत्र रामेश्वरलाल निवासी पड़िहारा, हाल नया बास सुजानगढ़ तथा बसंत पुत्र मोहनलाल निवासी नल्ला का बास, नानी गेट सीकर को गिरफ्तार कर दोनों के कब्जे से करीब 575 ग्राम चांदी बरामद की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से अनुसंधान में जुटी हुई है। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाधिकारी मुकेशचंद, एएसआई जगदीश गढ़वाल, एएसआई तेजराम, कांस्टेबल बलराम, बिरदाराम, राजेंद्र, कुलदीप, भागीरथ आदि के नाम शामिल हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम एवं खेल गतिविधियां आयोजित

निसं

बीदासर (नवयत्न)। कस्बे के नोखा रोड स्थित सांवर लाल सुशीला देवी सुथार राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं खेल समिति के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को खेलों के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली तथा खेलों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम, राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के साथ विभिन्न इनडोर एवं आउटडोर खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। पूरे कार्यक्रम की थीम खेलेगा भारत, जीतेगा भारत रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य दिनेश कुमार ने कीए जबकि मुख्य वक्ता खेल समिति के प्रभारी जगदीश प्रसाद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जगदीश प्रसाद ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन या प्रतियोगिता का माध्यम नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने से शरीर स्वस्थ रहने के साथ-साथ विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता और टीम भावना का विकास होता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों का अधिक समय पढ़ाई, मोबाइल एवं तकनीकी गतिविधियों में व्यतीत हो रहा है। ऐसे में खेल गतिविधियां उन्हें शारीरिक रूप से सक्रिय रखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी रुचि के अनुसार किसी न किसी खेल को नियमित रूप से अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लें।

खेलों से विकसित होती है नेतृत्व एवं सहयोग की भावना

कार्यवाहक प्राचार्य दिनेश कुमार ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल भी बेहद आवश्यक हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, धैर्य और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस केवल खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन स्वस्थ, अनुशासित एवं सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से खेलों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी खेलों के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया।

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें वॉलीबॉल, शतरंज, कैरम बोर्ड एवं रस्साकशी सहित अन्य गतिविधियां प्रमुख रहीं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। खेल गतिविधियों के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ अनुशासन, आपसी सहयोग एवं टीमवर्क की भावना का परिचय

दिया। रस्साकशी एवं वॉलीबॉल जैसी टीम आधारित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने सामूहिक प्रयास और बेहतर तालमेल का प्रदर्शन किया, वहीं शतरंज एवं कैरम बोर्ड जैसी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी एकाग्रता, रणनीति एवं निर्णय क्षमता का परिचय दिया। खेल गतिविधियों के दौरान महाविद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा।

स्वस्थ जीवनशैली के प्रति किया जागरूक

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम एवं खेलों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि शारीरिक गतिविधियों से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि तनाव कम करनेए एकाग्रता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। विद्यार्थियों को संतुलित दिनचर्या अपनाने तथा पढ़ाई के साथ खेल एवं शारीरिक गतिविधियों के लिए भी पर्याप्त समय देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, खेल समिति के सदस्यों एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित करनाए स्वस्थ जीवनशैली के महत्व से अवगत कराना तथा उनमें अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं टीम भावना का विकास करना रहा। कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, खेल समिति के सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

जाली नोटों के गिरोह के खुलासे के बाद पुलिस का अलर्ट

संदिग्ध करेंसी को बाजार में न चलाएं

जयपुर (नवयत्न)। शहर में जाली नोटों के अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आमजन को नकली करेंसी को लेकर सतर्क किया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी नोट के नकली होने का संदेह होने पर उसे बाजार में चलाने के बजाय बैंक में ले जाकर उसकी जांच कराएं। पुलिस के अनुसार नकली नोटों की गुणवत्ता अलग-अलग हो सकती है। ऐसे में केवल पहली नजर में देखकर नोट को असली या नकली मान लेना उचित नहीं है। संदिग्ध नोट मिलने पर उसकी जांच कराना ही सुरक्षित विकल्प है। पुलिस ने कहा कि यदि कोई करेंसी नोट नकली जैसा प्रतीत होता है तो उसे किसी अन्य व्यक्ति को देने या बाजार में चलाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। नोट को बैंक में ले जाकर उसकी जांच कराई जा सकती है। इससे नकली नोट के आगे प्रसार को रोका जा सकेगा और अनजाने में कानूनी परेशानी में पड़ने की आशंका भी कम होगी। पुलिस के मुताबिक संदिग्ध नोट की जांच के लिए अल्ट्रावॉयलेट लाइट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यूवी मशीन की मदद से नोट पर मौजूद सुरक्षा विशेषताओं की जांच की जाती है। इसके साथ ही नोट के वॉटरमार्क, प्रिंटिंग की गुणवत्ता और कागज को भी ध्यान से देखना चाहिए। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नकली करेंसी को लेकर किसी भी तरह का संदेह होने पर सतर्कता बरतें और संदिग्ध नोट को आगे चलाने के बजाय बैंक से उसकी सत्यता की पुष्टि कराएं।

सितंबर का पावन महीना : श्रीकृष्ण जन्मोत्सव से होगी शुरुआत, गणेश चतुर्थी और पितृपक्ष समेत पड़ेंगे ये बड़े व्रत

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सितंबर का महीना धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद खास और पावन रहने वाला है। इस माह कई बड़े व्रत और त्योहार मनाए जाएंगे। महीने की शुरुआत जहां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व से होगी, वहीं हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, राधाष्टमी और पद्मा एकादशी जैसे प्रमुख व्रत भी इसी माह में रखे जाएंगे। महीने के अंत में पितृपक्ष का शुभारंभ होगा। गोविंद देवजी मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर पिछले एक सप्ताह से ही उत्सव का माहौल बना हुआ है।

सितंबर माह के प्रमुख व्रत और त्योहारों

4 सितंबर शुक्रवार भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को कृष्ण जन्मोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। वहीं 7 सितंबर सोमवार को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति के लिए अजा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। 10 सितंबर गुरुवार को पिठोरी/कुशाग्रहणी अमावस्या मनाई जाएगी। इस दिन पितरों के पूजन और वर्षभर के धार्मिक

कार्यों के लिए कुशा एकत्र की जाएगी। 14 सितंबर सोमवार को हरतालिका तीज मनाई जाएगी। इस दिन सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए निर्जला व्रत रखकर शिव-पार्वती का पूजन करेंगी। 14 सितंबर सोमवार को 10 दिवसीय गणेश उत्सव का शुभारंभ होगा और घर-घर में गणपति बप्पा की स्थापना की जाएगी। 18 सितंबर शुक्रवार को महालक्ष्मी व्रत आरंभ होगा। इसदिन सुख-समृद्धि की कामना के लिए 16 दिवसीय महालक्ष्मी व्रत शुरू होंगे। 19 सितंबर शनिवार को राधाष्टमी मनाई जाएगी। इसदिन श्रीराधा रानी के प्राकट्य दिवस पर विशेष पूजा-अर्चना होगी। 22 सितंबर मंगलवार को पद्मा एकादशी मनाई जाएगी। इसदिन भगवान विष्णु के निमित्त पद्मा एकादशी का व्रत किया जाएगा। 23 सितंबर, बुधवार को वामन जयंती मनाई जाएगी। इसदिन भगवान विष्णु के वामन अवतार की जयंती मनाई जाएगी। 25 सितंबर, शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी का आयोजन होगा। इसदिन गणेश उत्सव का समापन होगा और बप्पा को भावभीनी विदाई दी जाएगी। 26 सितंबर, शनिवार प्रोष्ठपदी पूर्णिमा श्राद्ध आरंभ होगे। भाद्रपद पूर्णिमा पर पितरों के निमित्त तर्पण और श्राद्ध कार्य किए जाएंगे। 27 सितंबर, रविवार को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का 16 दिवसीय पितृपक्ष शुरू होगा।

स्वामी शांति प्रकाश महाराज के जन्मोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री अमरापुर स्थान जयपुर में सतगुरु स्वामी शांति प्रकाश महाराज के 120वें पांच दिवसीय जन्मोत्सव के समापन पर भक्ति, श्रद्धा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पांच दिवसीय जयपुर प्रवास पर आए प्रेम प्रकाश मंडलाध्यक्ष सतगुरु स्वामी भगत प्रकाश महाराज की अमोलक वाणी से श्रद्धालुओं ने भक्ति रस का आनंद लिया। समापन अवसर पर प्रेम प्रकाश ग्रंथ साहिब और गीता के पाठों के विधिवत भोग-परायण के साथ दीप प्रज्वलित कर स्वामी शांति प्रकाश महाराज के विग्रह के समक्ष 51 किलो महाप्रसादी का भोग लगाया गया। जयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गुरु दरबार में शीश नवाया और गुरुदेव को रक्षा सूत्र बांधकर आशीर्वाद लिया। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। उत्सव में हजारों लोगों ने भोजन

प्रसादी ग्रहण की। जन्मोत्सव के समापन पर आश्रय केयर अनाथालय के बच्चों ने श्री अमरापुर स्थान पहुंचकर दर्शन किए और प्रेमपूर्वक भोजन प्रसादी ग्रहण की। संतों की ओर से बच्चों को फल, प्रसाद और भेंट दी गई। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कुष्ठ आश्रम में भी भोजन प्रसादी, फल और मिष्ठान भेजे गए। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में शनिवार को मंत्रोच्चारण और विधि.विधान के साथ श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ, गीता और भागवत महापुराण के सात दिवसीय पाठों का शुभारंभ हुआ। आयोजकों के अनुसार इन पाठों का भोग-परायण 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन शाम को होगा। जन्माष्टमी पर सुबह प्रार्थना, सत्संग, हवन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम होंगे। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य समय अभिषेक, खीर प्रसादी और आरती का आयोजन किया जाएगा।

विकास मंच ने इस बार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का थामा दामन, 45 वार्डों में प्रत्याशी उतारने की तैयारी

निसं

पिछली बार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चुनाव चिह्न पर बनाया था बोर्ड

विकास मंच की चुनावी रणनीति में चुनाव चिह्न को लेकर बदलाव जरूर हुआ है, लेकिन चुनावी प्रयोग नया नहीं है। पिछली बार विकास मंच ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ते हुए नगरपालिका में अपना बोर्ड बनाने में सफलता हासिल की थी। इस बार मंच ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के साथ चुनावी तालमेल बनाकर नया चुनावी समीकरण तैयार किया है।

नोखा (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव को लेकर नोखा में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। एक ओर जहां विभिन्न राजनीतिक दल और स्थानीय संगठन अपने प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारने की रणनीति बनाने में जुटे हैं, वहीं निवर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष एवं विकास मंच के प्रमुख रणनीतिकार नारायण झंवर की नई चुनावी रणनीति ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को और बढ़ा दिया है। विकास मंच इस बार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में है। मंच की ओर से नगर पालिका के सभी 45 वार्डों में प्रत्याशी उतारने की रणनीति बनाई गई है। खास बात यह है कि विकास मंच के प्रत्याशियों का चुनाव चिह्न हंसिया, हथौड़ा और सितारा रहेगा। माना जा रहा है कि सभी प्रत्याशियों को एक ही चुनाव चिह्न पर मैदान में उतारने के पीछे मतदाताओं के बीच मंच की सामूहिक पहचान को मजबूत करना प्रमुख रणनीति है।

2005 से लगातार विकास मंच का बोर्ड

नोखा नगरपालिका की राजनीति में विकास मंच की मजबूत पकड़ लंबे समय से चर्चा में रही है। वर्ष 2005 से लगातार नगरपालिका में विकास मंच का बोर्ड बनने का दावा किया जाता रहा है। जनता से सीधा संपर्क, आम लोगों के बीच उपलब्धता और स्थानीय स्तर पर सक्रियता को मंच की सफलता के प्रमुख कारणों में गिना जाता है।

नारायण झंवर और संतोष झंवर फिर मैदान में

इस चुनाव में भी झंवर परिवार सीधे चुनावी मैदान में नजर आएगा। नारायण झंवर वार्ड संख्या 37 से जबकि उनकी पत्नी संतोष झंवर वार्ड संख्या 32 से चुनाव मैदान में उतरेंगी। दोनों के चुनाव मैदान में आने से इन वार्डों के चुनावी समीकरण खासे महत्वपूर्ण हो गए हैं।

झंवर परिवार की पुरानी राजनीतिक विरासत

नारायण झंवर के परिवार का नोखा की राजनीति में पुराना प्रभाव रहा है। उनके पिता कन्हैया लाल झंवर नोखा से विधायक रह चुके हैं। और कई बार नोखा नगरपालिका के अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। ऐसे में नारायण झंवर की राजनीतिक सक्रियता को परिवार की पुरानी राजनीतिक विरासत से भी जोड़कर देखा जा रहा है। नोखा नगर पालिका चुनाव में एक तरफविकास मंच की नई रणनीति और दूसरी तरफ प्रशासन की तैयारियों के बीच अब चुनावी माहौल लगातार गरमाने लगा है। आने वाले दिनों में प्रत्याशियों की अंतिम तस्वीर सामने आने के साथ ही वार्डवार राजनीतिक समीकरण और मुकाबले की तस्वीर और स्पष्ट होने की संभावना है।

बीदासर निकाय चुनाव में दूसरे दिन 29 प्रत्याशियों ने भरे 33 पर्चे

भाजपा-कांग्रेस के 9-9 प्रत्याशी मैदान में, 14 निर्दलीयों ने भी ठोकी ताल

निसं

बीदासर (नवयत्न)। नगर पालिका के आगामी निकाय चुनाव को लेकर शनिवार को नामांकन के दूसरे दिन चुनावी सरगर्मियां तेज रहीं। विभिन्न वार्डों से चुनाव लड़ने के इच्छुक प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ जुलूस के रूप में उपखंड कार्यालय पहुंचे और नामांकन पत्र दाखिल किए। दिनभर कार्यालय परिसर के आसपास राजनीतिक गतिविधियों का दौर चलता रहा। निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम अमीलाल यादव ने बताया कि दूसरे दिन कुल 29 उम्मीदवारों ने 33 नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें राजनीतिक दलों की ओर से 19 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों की ओर से 14 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए गए।

भाजपा.कांग्रेस के 9-9 प्रत्याशी

दाखिल नामांकन में भाजपा और कांग्रेस के 9-9 प्रत्याशी शामिल हैं। भाजपा प्रत्याशियों ने वार्ड 4, 5, 6, 10, 19, 20 और 21 सहित विभिन्न वार्डों से नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस की ओर से वार्ड 7, 8, 9, 25, 30, 33 और 35 से प्रत्याशियों ने पर्चे भरे। वहीं वार्ड 25 से आरएलपी प्रत्याशी ने भी नामांकन दाखिल किया।

14 निर्दलीयों ने बढ़ाई चुनावी हलचल

निर्दलीय प्रत्याशियों ने वार्ड 2, 4, 5, 6, 8, 10, 19, 22, 23, 25, 32 और 33 से नामांकन दाखिल किए। बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से कई वार्डों में मुकाबला बहुकोणीय हो गया है।

पार्टी प्रत्याशियों के सामने अपनों की चुनौती

नामांकन के दौरान सबसे अधिक चर्चा उन वार्डों को लेकर रही, जहां पार्टी प्रत्याशियों के साथ उन्हीं दलों से जुड़े लोगों ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भी पर्चा दाखिल किया है। वार्ड 8 और 25 में कांग्रेस से जुड़े तथा वार्ड 10 और 19 में भाजपा से जुड़े लोगों के निर्दलीय नामांकन से संबंधित दलों के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने चुनौती बढ़ गई है। अब नामांकन वापसी के बाद वास्तविक चुनावी तस्वीर स्पष्ट होगी। इसके बाद प्रत्याशियों की अंतिम सूची सामने आएगी। कस्बे। में दूसरे दिन के नामांकन ने नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गर्मा दिया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190